

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ


कक्षा – ६

विषय : हिंदी

पुस्तक : वसंत भाग 1 (एन. सी. ई. आर. टी.)

माह	पाठ का नाम	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	1. वह चिड़िया जो	- कविता का सस्वर वाचन - पशु तथा पक्षियों से संबंधित जानकारी	- अनुकरण विधि - व्याख्यान विधि	दृश्य-श्रव्य द्वारा पक्षियों की आवाजें सुनाई जाएंगी	- लयबद्धता एवं भाषा का ज्ञान - पक्षियों के कलरव को जानेंगे	- शब्दों के विभिन्न पर्याय संबंधी प्रश्न - कविता के उतार-चढ़ाव का ज्ञान	उच्चारण संबंधी कठिनाई वाली छात्राओं को पुनः प्रेरित करना	- चिड़िया की तरह मधुर बोलने तथा आनंदपूर्वक जीवन व्यतीत करने की
अप्रैल	2. बचपन	- बचपन की रुचियाँ तथा समयानुसार बदलाव - स्वास्थ्य चेतना - व्याकरण ज्ञान - संज्ञा, संख्या व परिमाणवाचक विशेषण	- इकाई विधि संवाद (शिक्षक+ छात्र) - निगमन विधि (व्याकरण)	- कला समन्वय संस्मरण सुनेंगे - आधुनिक चीजों की जानकारी लेंगे	- जीवन में हो रहे परिवर्तन का ज्ञान होगा - स्वास्थ्य के प्रति जागृति बढ़ेगी	- संज्ञा तथा विशेषण संबंधी प्रश्न - पाठ का सारांश	- सही उत्तर देने वाली छात्राओं की सराहना - भाषा संबंधी अशुद्धियों का संशोधन	प्राचीन तथा वर्तमान जीवन शैली का ज्ञान
	3. नादान दोस्त	- पशु पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता - ऋतुओं की जानकारी - व्याकरण ज्ञान - गुणवाचक विशेषण, सर्वनाम	- पर्यटन विधि - व्याख्यान विधि	भ्रमण द्वारा चिड़ियों के घोंसले दिखाना	- बड़ों की सलाह के अनुसार कार्य करना सीखेंगे - जंतु के अंडे स्पर्श करने से हानि	मानवीयता तथा संवेदन - शीलता पर समूह चर्चा द्वारा मूल्यांकन	समूह चर्चा की त्रुटियों में सुधार किया जाए	पशु पक्षियों का संरक्षण
जून	4. चाँद से थोड़ी-सी गप्पें	- कल्पना शक्ति का विकास - चाँद संबंधी जानकारी - कृष्ण तथा शुक्ल पक्ष का ज्ञान - व्याकरणज्ञान - अनुस्वार तथा अनुनासिक	- प्रत्यक्ष विधि	- पूर्णिमा तथा अमावस्या की चाँद का निरीक्षण - हिंदी का कैलेंडर दिखाकर तिथियों का ज्ञान	-चाँद के घटने - बढ़ने का अनुमान लगाएँगे - माह के दोनों पक्षों व तिथियों का ज्ञान	- हिंदी महीनों के नाम पूछेंगे - पेड़,चाँद तथा नदी से गप्पे कैसे करेंगे?	सही जानकारी दी जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की जाए	कविता के माध्यम से प्रकृति की परिकल्पना ज्ञान से विज्ञान की ओर यात्रा निबंध कौशल
जुलाई	5. अक्षरों का महत्व	- शुद्ध उच्चारणके साथ वाचन कौशल - अक्षरों का प्राचीन इतिहास एवं - विभिन्न भाषाओं की लिपियों का ज्ञान	- खोज विधि - संश्लेषण विधि	कला समन्वय – समूह चर्चा द्वारा अक्षरों के महत्व पर चर्चा	- शुद्ध उच्चारण का अभ्यास होगा - शब्द एवं वाक्य निर्माण सीख पाएँगे	मनुष्य,वनस्पति तथा जीव-जंतु की खोजों संबंधी मूल्यांकन	प्रत्येक छात्र गतिविधि में सक्रिय रहे	इतिहास ज्ञान से जुड़कर भाषा के प्रति सम्मान
	6. पार नजर के निबंध लेखन	- चिंतन शक्ति का विकास - वैज्ञानिक दृष्टिकोण व्याकरण ज्ञान – - उपसर्ग, तत्सम, तद्भव,परिमाणवाचक विशेषण लिंग व वचन	- प्रत्यक्ष विधि - प्रश्नोत्तर विधि	दृश्य - श्रव्य द्वारा मंगल ग्रह या चाँद पर भेजे गए यानों का दृश्य दिखाया जाएगा पस्तकालय से निबंधों का	- विभिन्न ग्रहों की स्थिति का ज्ञान - विज्ञान की उपलब्धियों का ज्ञान - कल्पना शक्ति का	विज्ञान के प्रति रुचि, जागरूकता तथा अंतरिक्ष संबंधी प्रश्न पूछेंगे	प्रत्येक छात्र के लिए सुझाव व प्रोत्साहन	ज्ञान से विज्ञान की ओर यात्रा
	7. साथी हाथ बढ़ाना	- सहयोग की भावना तथा परिश्रम का महत्व समझाना - गीत का लयबद्ध गायन - व्याकरण ज्ञान	- अनुकरण विधि - प्रत्यक्ष विधि - व्याख्यान विधि	फिल्म नया दौर का गीत साथी हाथ बढ़ाना दृश्य - श्रव्य माध्यम से दिखाया जाएगा	- मिलजुल कर कार्य करने की प्रेरणा जागृत होगी - अर्थ के स्पष्टीकरण का ज्ञान होगा	- गीत चयन के स्तर के मूल्यांकन - भावार्थ का स्पष्टीकरण पूछेंगे	मधुर व प्रभावशाली गायन की सराहना जाएगी	व्यक्तिगत सामाजिक समस्याओं में सहयोग की भावना
	8. ऐसे ऐसे	- समय के महत्व का ज्ञान - माता-पिता की बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता व्याकरण ज्ञान - प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक	- अभिनय विधि - व्याख्यान विधि	कला समन्वय – इस एकांकी का मंचन करवाया जाएगा	- समय पर कार्य पूरा करेंगे - कार्य पूर्ण न होने पर सच का सहारा लेंगे - शिक्षक के सहयोग से छात्राएँ सही मार्ग का अनुकरण करेंगी	- घरेलू नुस्खे पूछेंगे - कार्य करने के आनंद को व्यक्त करवाना	- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए सराहना जाएगी - कार्य में पीछे रहने वाली छात्राओं को प्रोत्साहन	समयानुसार कार्य करने तथा सत्य का सहारा लेने की प्रेरणा

जनवरी	17.साँस - साँस बाँस	- बाँस की उपयोगिता व उससे कलात्मक वस्तुओं का निर्माण । - भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति का ज्ञान । व्याकरण ज्ञान	- इकाई तथा - प्रत्यक्ष विधि	- बाँस से बनी वस्तुओं को दिखाना । - विभिन्न राज्य में बाँस का प्रचलन ।	- विभिन्न राज्य में बाँ का प्रचलन । - हाथों की कलाकारी । - लेखन शैली का विकास ।	- बाँस से बनने वाली वस्तुओं के बारे पूछेंगे । - किसी विषय पर लेखन करवाएँगे ।	अच्छा लेखन करने पर छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाए ।	बाँस से बनी वस्तुओं के प्रयोग को बढ़ावा ।
-------	------------------------	--	--------------------------------	---	--	--	---	--


 Dr. Sushma Jain
 Principal
 Principal
 Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
 Titwaraghal, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

Class :VI

Subject : English

Book :Marigold

A pact with the sun - Supplementary Reader

Month	Name of the Chapter	Teaching Objectives	Methodology	Integration of ICT/Sports/ Art	Learning Outcome	Assessment	Feedback	Core Values
April	Who died Patrick's Home work Grammar: Sentences & Subject & Predicate	1) To encourage to do home work. 2) To arise interest in study. 3) To introduce new vocabulary. 4) To identify the subject and predicate. 5) To frame the jumbled sentences.	❖ Narrating & discussing story.	❖ ICT -video of dwarf. ❖ Drawing	1) Able to do their homework themselves. 2) Know the meaning of new words. 3) Students will be Identify the subject & predicate.	1) Story writing. 2) Worksheet of subject & predicate. 3) Oral test.	1) One who Write property will be appreciated. 2) Some students will be guided. 3) Almost all students will solve the worksheet. 4) Few students may not answer the question	1) Self help is the best help. 2) Help others without any desire of return. 3) Hard-work is must to get success.
	Poem- A House A Home	1) To enable the student to recite the poem. 2) To enhance their verbal skills.	❖ Recitation.	❖ ICT -video of rhyming word.	1) Students will recite poem with proper stress intonation, pause and pronunciation. 2) Able to differentiate between a house and a home.	1) Debate on Joint family v/s Nuclear family.	1) If some students are unable to express their view, will be given motivation and guidance.	1) Love for home and the family members. 2) Home is where the heart is.
	A pact with the sun- A Tale of two birds	1) To understand the importance of friendship. 2) To tell the effect of bad company.	❖ Role play.	❖ Video- the story of two friends	1) Able to identify the different characters in the story. 2) Students will give answers based on the story.	1) Oral test.	1) Students will attempt all six question orally.	1) We must be kind and sensitive towards birds. 2) One is known by the company one keeps.
June	How the dog found himself a new master Grammar: Nouns: Kinds and Gender Countable & Uncountable nouns	1) To create awareness of different ways in which dog assist human. 2) To sensitize students towards animals particularly dogs. 3) To revise the previous knowledge and identify the noun from text.	❖ Explanation. ❖ Learning by activity.	❖ Video of different species of dog. ❖ Draw family tree of dog. ❖ Showing real object.	1) Students will know the difference between wild dog and pet dog. 2) Students will be kind towards animals. 3) Students will able to find nouns from text.	1) Summary. 2) Worksheet of Grammar work book.	1) Almost all the students will be able to summarize the story. 2) Some students not be able to answer the question.	1) To be loyal as dog. 2) Choose the perfect master.
	Poem- The kite	1) To develop an understanding of the poem. 2) To develop the ability to sequence events.	❖ Recitation &Explanation.	❖ Kite Flying. ❖ Kite making craft activity.	1) Students may understand the intention of the poet. 2) They will know the life is like a kite.	1) Writing poem on kite.	1) Able students will be practiced to write another similar poem. 2) Unable student will be taken help from text book.	
	A pact with the sun- The friendly mongoose	1) To understand the importance of pet animals. 2) To develop critical thinking.	❖ Story telling	❖ Panchtantra tales video.	1) Able to understand the meaning of "Haste Makes Waste".	1) Question Answers.	1) Some students may not be able to answer the questions.	1) Think before you act.
July	Taro's Reward Grammar: Adjective and Degree of comparison	1) To sensitize the students towards the elders especially one's parents. 2) To enable the students to frame aquestionnaires. 3) To develop the ability to compare by using degree.	❖ Story telling. ❖ Learning by activity.	❖ ICT - Video clips of Ramayan and story of shravankumar. ❖ Flash card.	1) Students will obey their parents. 2) Students will frame the questions easily. 3) Students may compare by using degree.	1) Debate – Hard work v/s Luck. 2) Worksheet of grammar work book.	1) If some students are unable to express their views, they could be asked to write on the same topic. 2) Most students should may be able to do this task. 3) Almost all may be able to use degree.	1) Hard work is the key of success. 2) Encourage all children to honour and obey their parents &elders.

	Poem- The Quarrel	1) To understand the thought process of the poet. 2) To test the students ability to respond to a personal dilemma. 3) To develop an understanding of the relationship.	❖ Role play.	❖ ICT - Story of two brothers.	1) Students will express their personal dilemma. 2) Students may understand what the poet wants to say.	1) Comprehension.	1) Those who don't fail too well, will be explained once again and facilitate in the completion of the task.	1) Not to quarrel with others. 2) Accept mistakes.
	A pact with the sun- The Shepherd's Treasure	1) To develop the ability to frame story. 2) To enable students to understand troubles.	❖ Discussion.	❖ P.P.T	1) Able to get rid of their sorrow and troubles.	1) Story writing.	1) Students will be made grammatical errors, need to be checked.	1) Wisdom is the real wealth. 2) Destroy the feeling of jealous.
August	An Indian American woman in space- KalpanaChawla Grammar: -Pronoun -Articles Writing Skill(Letter writing)	1) To develop the skill to sequence events. 2) To familiarize students with space vocabulary. 3) To identify the pronoun from text.	❖ Explanation & Discussion. ❖ Learning by activity.	❖ Video clip of KalpanaChawla. ❖ Show encyclopedia in library. ❖ Making flow chart.	1) Students will know about space tragedy 2) Able to know – Encyclopedia knowledge to be an astronaut. 3) Students will understand the use of article and pronoun.	1) Quiz 2) Worksheet of Grammar work book. 3) Class test.	1) The errors in the use of English could be discussed. 2) Some students may able to fill the worksheet.	1) Dream can be made a reality by courage and hard work. 2) God's blessings are most essential.
	Poem- Beauty	1) To sensitize the learners to idea and emotions that, are evoked by nature. 2) To develop the students ability to analyse poetry.	❖ Recitation.	❖ Field trip.	1) Able to analyse poetry. 2) Students will feel the beauty inside oneself.	1) Drawing.	1) Almost all students will be able to draw the beauty of nature.	1) Beauty lies in the eyes of beholder. 2) Work can be beautiful if it is done in a selfless manner.
	A pact with the sun- The old clock shop	1) To develop the social skill to help others.	❖ Discussion.	❖ Street – Play on Anger.	1) Able to understand the need of others and ready to help them.	1) Worksheet.	1) If students are unable to solve the worksheet, they will be guided.	1) Be generous and always be ready to help others, without any desire of return.
September	A different kind of school Grammar: -Verbs -Modal (Auxiliaries)	1) To sensitize the students about differently abled people. 2) To develop the feelings and emotions of others. 3) To identify the verb from the text.	❖ Inductive method. ❖ Learning by doing.	❖ Movie clip of Helen Keller.	1) Students will understand the feelings of differently abled people. 2) Able to identify verbs and modals.	1) Writing a speech on visit. 2) Worksheet of Grammar book. 3) Oral test.	1) Some students may share their feelings. 2) A few of students may not be able to speak fluently, will be motivated. 3) Some students may not be able to learn form of verbs.	1) Understanding the feelings of disabled person. 2) Importance of five sense organs. 3) Developing the feelings of kindness and empathy.
	Poem- Where do all the teachers go	1) To develop an understanding of the main idea of the poem. 2) To bring out the difference between the normal people and teacher.	❖ Recitation.	❖ Discuss with teacher and make creative card for teacher.	1) Students may find the difference between normal people & teacher. 2) Able to understand the idea of the poem.	1) Question Answer.	1) Those who cannot answer the questions will be re-visited and clarify the concept.	1) Always respect and obey your teacher.
	A pact the sun- Tansen	1) To bring out the difference between the classical music and pop music. 2) To help the students to identify the sound of different musical instruments.	❖ Direct method.	❖ Visit the music room. ❖ Listening sound of musical instruments and ragas.	1) Able to identify the different musical instrumental sound. 2) Students may bring out the difference.	1) Photographs.	1) Some students may not be able to identify the picture of Indian musician and musical instruments.	1) Arise Interest in classical music.
October	Who I am	1) To develop the creativity of the students. 2) To give personal response to the text. 3) To reflect on analyse and evaluate their own work.	❖ Discussion.	❖ (Craft) Visit to handloom and Art and craft room.	1) Students will express their own Interest why that Want to become. 2) Students will know the different types of profession (job).	1) Debate – Job v/s Business.	1) If some students are unable to express their Ideas, they could be asked to write on the same topic.	1) Knowledge is the virtue of soul. 2) Everyone should have passion to become successful.

	Grammar: -Tense -Writing Skill -Diary entry	4) To identify the tenses.	❖ Role playing.	❖ (ICT) Listing story on tenses.	3) Will learn the usage of tenses through speaking.	2) MCQs on tenses.	2) Some may use correct tense.	
	Poem- The wonderful words	1) To enable the students to read and comprehend the poem. 2) To understand the importance of words.	❖ Recitation.	❖ (ICT) Word Game.	1) Able to understand the importance of words. 2) Able to answer of comprehend poem.	1) Group discussion.	1) If some students may be unable to express their ideas thoughts, will be guided them.	1) Think before you speak. 2) If your tongue is positive you will be liked by all.
	A pact with sun - The monkey and crocodile	1) To enable the students to enhance vocabulary. 2) To develop the true relations with friends.	❖ Story telling.	❖ Video of panchtantra tales.	1) Will know the meaning of new words. 2) Understanding the importance of true friendship.	1) Oral test.	1) Most students should be able to answer.	1) To betray areal friend is a sin.
November	Fair play Grammar: -Adverb -Interjection	1) To develop the logical ability of the students. 2) To develop the ability to respond to a situation. 3) To understand the importance of justice, 4) To understand the meaning and usage of adverb. 5) To enable to express feeling by interjection.	❖ Conversation. ❖ Inductive method.	❖ Visit the village and meeting withpanch. ❖ Power point presentation.	1) Able to handle the situation. 2) Understanding the meaning of fair and truth. 3) Will learn to use of adverb and interjection.	1) Drama. 2) Worksheet.	1) Almost all students may participate in drama. 2) Some students may not be able to use correct adverb.	1) A friend in need is a friend indeed. 2) Always speak truth.
	A pact with sun - A wonder called sleep	1) To discuss the advantage of sleeping on time. 2) To give knowledge about importance of dreams.	❖ Discussion.	❖ (ICT) Disadvantage of improper sleep through video.	1) Will sleep on time. 2) Understanding the most obvious advantage of dream.	1) Observation.	1) Almost all students may observe the side effect of improper sleep.	1) Early to bed and early to rise, to Maker man healthy wealthy and wise.
December	A Game of chance Grammar: -Preposition -Conjunction -Story writing	1) To enable the students to think of an alternative ending. 2) To introduce new vocabulary. 3) To learn the use of preposition and conjunction. 4) To enable to write story.	❖ Story telling. ❖ Learning by doing.	❖ Video of fun fair. ❖ Playing cards. ❖ ICT picture on preposition. ❖ Drawing.	1) Understanding the meaning of new words. 2) While speaking they will use preposition and conjunction.	1) MCQs. 2) Writing test.	1) Abled students will be practiced to do a similar exercise with other chapter. 2) Almost student may fill correct preposition and conjunction.	1) We should obey our elders. 2) Don't depend on faith.
	A pact with sun- A pact with sun	1) To develop ability to understand the needs of sick person. 2) Importance of cleanliness for health.	❖ Discussion on disease.	❖ Visit the hospital.	1) Will help the needy and sick person.	1) Debate on Naturopathy v/s Allelopathy.	1) Some students may only speak a few sentences about naturopathy.	1) Morning walk is good for health.
	Poem- vocation	1) To enhance the creative skill of the students. 2) To recite the poem with intonation.	❖ Recitation with feeling.	❖ Visit to worker home and talk with them. ❖ Card making Craft activity.	1) Will recite poem with correct pronunciation.	1) Cross word puzzle.	1) If some students are unable to complete the cross word.	1) No Sweat No Sweet. 2) No Pain No Gain.
January	Desert Animals Grammar: Punctuation Voice	1) To take a diagnostic test after the students have finished reading the lesson. 2) To give knowledge about desert animals. 3) To punctuation the sentences appropriately. 4) To identify the voice and change into other voice.	❖ Question Answer. ❖ Learning by doing.	❖ (ICT)Video clipping of desert life. ❖ Drawing on punctuation marks.	1) Able to read and understand. 2) Students will search more information about desert animals. 3) Will use types of punctuation marks. 4) Will learn the rules of changing voice.	1) Worksheet. 2) Class test.	1) Most students will be able to solve worksheet. 2) Almost students may answer at class test.	1) Animals are getting extinct. So we should preserve wild life.
	A pact with sun- What happen	1) To enable the students to frame a questionnaires. 2) To give knowledge about	❖ Project on reptiles animals.	❖ Movie clipping of "EkChizMilegi	1) Will collect information about reptile. 2) Will frame questions easily.	1) Quiz.	1) Some students may collect the information about reptile.	1) Be kind towards living beings.

	to the reptiles	reptiles.		Wonderful".				
February	The Banyan Tree Grammar: Reported Speech	1) To enhance vocabulary and use it effectively. 2) To develop curiosity about adventure of wild life. 3) To change the sentence into indirect speech.	❖ Explanation. ❖ Learning by doing.	❖ (ICT) Showing photographs on wild life animals. ❖ (ICT) Power Point Presentation	1) Able to know vocabulary of text. 2) Will know the that mongoose should always be so keen on fighting the cobra. 3) Able to change into indirect speech.	1) Project on wild life. 2) Worksheet of grammar book.	1) All students may collect information about adventure of wildlife. 2) Some students will be able to fill worksheet.	1) We should not be aggressive like wild animals and try to forgive.
	A pact with sun- A strange wrestling match	1) To motivate for playing games. 2) To develop the mental strength.	❖ Play way method.	❖ (ICT) Video on wrestling match.	1) Will solve the reasoning test for increasing mental strength.	1) Competition among students.	1) Almost all students may take part in competition eagerly.	1) Mental strength is more important than the physical strength.

Dr. Sushma Jain
Principal

Principal

Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Titwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा : 6


विषय : संस्कृत

पुस्तक : रुचिरा

माह	पाठ	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	पाठ: 1 अकारान्त पुल्लिंग	अकारान्त पुल्लिंग का ज्ञान करना संज्ञा एवं सर्वनाम बोध कराना क्रियाओं का बोध कराना	उच्चारण विधि प्रदर्शन विधि	चित्रों के माध्यम से लिङ्ग एवं वचन का ज्ञान करना	शुद्ध उच्चारण का विकास अकारान्त एकवचन,द्विवचन बहुवचन का बोध हुआ पशुओं के नाम, रंगों के नाम व पहचान	शुद्ध उच्चारण श्यामपट पर वर्ण विच्छेद मे व वर्ण संयोजन में सुधार	शुद्ध उच्चारण करने वाली छात्रा का उत्साह वर्धन कराना कमजोर छात्र - छात्राओं को आगे आने के लिए प्रेरित करना 	जैसे व्यंजन स्वर के विना नहीं रहता अधूरा है, स्वर में व्यंजन का प्रयोग होता है,वैसे ही सभी में सहयोग की भावना का विकास कराना एकता, मिल-जुल कर रहना सहभागिता की भावना का विकास
अप्रैल	मणिका व्याकरण , संस्कृत- वर्णमाला	संस्कृत- वर्णमाला में स्वर और व्यंजन का बोध कराना	प्रश्नोत्तर विधि	वर्णमाला का कार्ड के माध्यम से ज्ञान कराया द्रश्य व श्रव्य सामग्री को प्रयोग	वर्णमाला व मात्रा की पहचान स्वर और व्यंजन का ज्ञान व्यंजन - स्पर्श अंतस्थ, ऊष्म आदि का ज्ञान संयुक्त व्यंजन का ज्ञान	शुद्ध उच्चारण हुआ	छात्राओं को तीन समूह में बांटकर प्रश्न करके उनका उत्साह बर्धन किया	
	पाठ 2 आकारान्त स्त्रीलिंग	आकारान्त स्त्रीलिंग का ज्ञान करना आकारान्तसंज्ञा एवं सर्वनाम बोध कराना क्रियाओं का बोध कराना शब्द कोश बढ़ाना	मौखिक विधि प्रश्नोत्तर विधि	कक्षा की छात्राओं के नाम की सूची बनाकर आकारान्त स्त्रीलिंगकी पहचान करायी (श्यामपट के प्रयोग से)	निर्णय की क्षमता का विकास	आकारान्त स्त्रीलिंगमे दक्षता वर्ण संयोजन का ज्ञान (श्याम पट पर)	संकोची छात्राओं को आगे बढ़ाना कमजोर छात्राओ की सराहना करना अच्छी विचाराभ्याक्ति करने वाली छात्राओं को प्रोत्साहित करना	सृजनात्मक क्षमता का विकास तर्क शक्ति का विकास
जून	पाठ 3 अकारान्त नपुंसकलिंग	अकारान्त नपुंसकलिंग शब्दों का ज्ञान कराना क्रियाओं का ज्ञान कराना	चित्र प्रदर्शन विधि	विद्यालय के आसपास की नपुंसकलिंग बोधक वस्तुओं की सूची बनाकर प्रयोग करवाया दश नपुंसकलिंग बोधक शब्दों के चित्र बनाकर वचन का ज्ञान करवाया	चिंतन शीलता का विकास शब्द कोश की वृद्धि	शुद्ध उच्चारण का विकास तीनों लिंग, तीनों वचन पर सामूहिक चर्चा	कार्य मे कमी रह जाने पर उसे पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया जायेगा	
जुलाई	पाठ 4 क्रीडास्पर्धा; (सर्वनाम)	सर्वनाम शब्दों का एकवचन, द्विवचन बहुवचन का बोध कराना तीनों पुरुष प्रथम पुरुष , मध्यमपुरुष ,उत्तम पुरुष का ज्ञान कराना विभिन्न खेलों की जानकारी देना खेलों का जीवन मे महत्व बताना	संवाद विधि अभिनय विधि	दृश्य सामग्री का प्रयोग	विभिन्न खेलों के बारे में ज्ञान हुआ मानसिक और शारीरिक विकास	तार्किक क्षमता का विकास अभिव्यक्ति व प्रस्तुति करण उच्चारण की शुद्धता पर ध्यान देना	छात्राओं के अभिनय की सराहना करना संकोची छात्र -छात्राओं को अभिनय के लिए प्रेरित करना	विकलांगों के प्रति आदर की भावना खेलों से प्रेम व आत्म विश्वास की भावना जागृत हुई
अगस्त	पाठ: 5 वृक्षा:	वृक्षों के महत्व बताना	उच्चारण लयात्मक प्रस्तुति दृष्टांत विधि सस्वर गायन	श्यामपट कार्य विद्यालय के आसपास लगे वृक्षों के समीप जाकर नाम, उपयोगिता और महत्व बोध	परोपकार की भावना का विकास वृक्षारोपण की भावना जागृत होना सृजनात्मकता का विकास	भाषा पर दक्षता भावाभिव्यक्ति सस्वरवाचन वृक्षारोपण	अच्छे विचारों की सराहना करना वृक्षों से प्रेम	वृक्षों की सुरक्षा और अन्य लोगों को इसके लिये सजग करने की प्रेरणा देना

	पाठ: 6 समुद्रतट: कारक व्याकरण	तृतीया और चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग करना भारत के प्रसिद्ध समुद्रीय तटों का ज्ञान कराना कारक का बोध कराना	चित्र प्रदर्शन विधि प्रश्नोत्तर विधि अनुवाद विधि	दृश्य श्रव्य तकनी की के द्वारा समुद्र तटों का परिचय करना दृश्य श्रव्य तकनी की के द्वारा अभिनय शैक्षणिक यात्रा के माध्यम समुद्रीय तटों पर जाकर बोध देना	विद्यार्थी मे विशाल समुद्रीय तटों के प्रति रुचि और अपने भारत देश के प्रति गौरव उत्पन्न हुआ भाषायी कौशल का विकास हुआ	विषय से संबंधित प्रश्न पुंछे जाएंगे मौखिक परीक्षा लिखित परीक्षा (टेस्ट)	उत्तम कार्य की प्रशंसा कमजोर छात्रों को पुनः निर्देशन संकोची छात्रों का प्रोत्साहित करना	प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों पर प्लास्टिक उपयोग की हानियों से अवगत कराते हुए इसका का प्रयोग बंद करने और नदी समुद्र आदि की सफाई सुरक्षा आदि का संकल्प के लिए प्रेरणा देना षट कारकों से आत्मा का चिंतन देना परमात्मा में लीन होने तक
सितंबर	पाठ: 7 बकस्य प्रतीकार: अव्यय प्रयोग	अव्यय का बोध व प्रयोग कराना तार्किक बौद्धिक क्षमता का विकास	अभिनय विधि संवाद विधि	कहानी (कथा) को दृश्य श्रव्य तकनीकी के माध्यम से निर्णय क्षमता का विकास अभिनय क्षमता का विकास	निर्णय क्षमता का विकास अभिनय क्षमता का विकास	कथा को रिक्त स्थान के माध्यम से पूर्ण ज्ञान का परीक्षण	छात्रों को कहानी सुनाने पर प्रोत्साहित करना सही उत्तर देने पर प्रोत्साहित करना अभिनय की सराहना करना	दुर्व्यवहार का फल दुःख दायक होता है अतः सुख चाहने वाले मनुष्य को अच्छा व्यवहार करना चाहिए
सितंबर	पाठ: 8 सूक्ति स्तबक:	सूक्तियों का ज्ञान कराना नैतिक मूल्यों का विकास करना	सस्वर गायन अनुकरण विधि	कला समन्वय श्याम पट मौखिक परीक्षा	स्वर लय का विकास वाचन कौशल का विकास चिंतन शीलता का विकास	रिक्त स्थान की पूर्ति सूक्तियों का कंठस्थ कराना	उच्चारण में सुधार भावार्थ में संशोधन	परिश्रम से सफलता मिलती है इच्छाओं से नहीं
अक्टूबर	पाठ: 9 अंगुलीयकम प्राप्तम	गुण और दोषों का ज्ञान सत्यता का ज्ञान कराना	अभिनय विधि संवाद विधि	संवाद का प्रयोग आदर्श नाटक (कथा के द्वारा महाकवि कालिदास के अभिज्ञान शाकुंतलम की विषय वस्तु बताना)	कर्तव्य बोध का ज्ञान हुआ संस्कृत के महा कवि के प्रति बहुमान होना	विषय से संबंधित प्रश्न पूछना श्याम पट पर कठिन शब्द लिखकर उसके अर्थ से अवगत कराना	संवाद शैली और अभिनय के लिए कमजोर छात्रों को करना	सत्य की हमेशा विजय होती है प्रेरणा देना
अक्टूबर	पाठ: 10 कृषिका: कर्मवीरा	परिश्रम के महत्व का ज्ञान करना सहनशीलता साहिष्णुता एवं उदारता के गुण विकसित करना	सस्वर गायन विधि उच्चारण	प्रश्नोत्तर, आस-पास के कृषक से प्रत्यक्षीकरण कराना	कर्तव्यबोध ज्ञान	मौखिक परीक्षा कठिन शब्द लिखना गलत का संशोधन करना	गायन प्रतियोगिता के लिए प्रेरित करना	गर्मी सर्दी और भूख सहने की प्रेरणा, सहन शीलता व उदारता के गुणों का विकास हुआ आलस नहीं करने की प्रेरणा
नवंबर	पाठ: 11 पुष्पोत्सव: सप्तमी विभक्ति:	भारत वर्ष के उत्सवों का ज्ञान कराना संस्कृत शिक्षण को प्रभावी बनाना शुद्ध भाषा को व्यक्त करने की प्रेरणा	प्रदर्शन विधि निगमन विधि	दृश्य सामग्री द्वारा रचनात्मक कार्य श्याम पट कार्य	विभिन्न उत्सवों का और फूलों के सौंदर्य बोध का विकास कराना भाषा के कौशल में वृद्धि करना	भावार्थ का मूल्यांकन विभिन्न पुष्पों की पहचान कराना लिखित टेस्ट	त्योहारों के वारे में बोलने को प्रोत्साहित करना	विभिन्न त्योहारों की पवित्र मूल भावनाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास करना
नवम्बर	पाठ: 12 दशम: त्वं असि	संख्याओं का प्रयोग कराना	आदर्श नाट्य विधि अभिनय विधि	झाड़ंग चित्र का सहयोग, गणना चार्ट का प्रयोग	मानव मात्र के प्रति प्रेम बात्सल्य और एकता की भावना जागृत होना	खेल खेल में संख्याओं की मौखिक परीक्षा	प्रत्येक को स्वमूल्यांकन के लिय प्रेरित किया जाएगा	धैर्य और समझदारी से समस्या सुलझाने की प्रवर्ती का विकास
दिसंबर	व्याकरण	छात्रों को शब्द रूप धातु रूप का ज्ञान कराना	गायन विधि	श्याम पट का प्रयोग, मौखिक परीक्षा, वस्तुओं को सामने लाकर	लिङ्ग भेद मे करने का विकास, लय का ज्ञान	कर्ता व क्रिया का ज्ञान तीन पुरुष, तीन वचन, तीन लिङ्ग का बोध हुआ	छात्रों द्वारा श्यामपट पर लिखवाकर उनका संशोधन करना शब्दनिर्माण करने की क्षमता उत्पन्न कराना	संस्कृत भाषा के प्रति विशेष अनुशासन एवं उसको व्यवहार में लाने की प्रेरणा
दिसंबर	पाठ: 13 लोक मंगलम	लोक मंगल की कामना से अवगत कराना वेदों की महिमा बताना अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास	गायन विधि	तकनीकी द्वारा लय का ज्ञान कराना	श्लोक के माध्यम से बुराई से अच्छाई की ओर चलने की प्रेरणा लोककल्याण की भावना का विकास	श्लोक कंठस्थ मौखिक सस्वर गायन	गायन कला मे सुधार भावार्थ में संशोधन	सच्चाई,ज्ञान का प्रकाश और श्रमशीलता का विकास
जनवरी	पाठ: 14 अहह आ: च	सज्जब लोग की महिमा का बोध कराना	व्याख्या प्रणाली संवाद विधि	दृश्य श्रव्य तकनीकी के द्वारा सज्जन सेवक का परिचय	जिज्ञासा समाधान करने की प्रकृति का विकास	वस्तुनिष्ठ परीक्षा स्मृति का विकास	अच्छे विचाराभियक्ति करने वाली छात्रों को प्रोत्साहित करना अन्य सभी छात्रों को	सेवा भक्ति प्रेम ,हिम्मत विनम्रता व्यवहार मे लाने की प्रेरणा

							सकारात्मक सोच के लिए अग्रसर करना	
जनवरी	मणिका व्याकरण	संस्कृत के प्रति रुचि जागृत करना	कार्ड विधि, अंताक्षरी विधि	श्यामपट द्वारा वस्तुओं के प्रदर्शन से चार्ट आदि से	संस्कृत बोलने में रुचि होगी	खेल खेल में संस्कृत का विकास हुआ	सभी छात्रों को संस्कृत बोलने के लिये प्रेरित करेंगे	धार्मिक, मौलिक व सांस्कृतिक सुरक्षा के भावों का विकास हुआ
फरवरी	पाठ: 15 मातुलचंद्रः	प्रकृति से प्रेम चंद्रमा से रिश्ता और रिश्तों का महत्व काव्य पाठ में रुचि पैदा करना	सस्वर गायन विधि सांकेतिक विधि	चंद्रमा का विस्तार बोधक ज्ञान व्याख्या विधि से	सकारात्मक सोच का विकास संवेदन शीलता का विकास	बौद्धिक क्षमता का विकास उच्चारण के विभिन्न तरीकों से परिचित होना	सभी छात्रों को संस्कृत गीत रुचि पूर्वक मिलकरगाने को प्रोत्साहित करेंगे	प्रेम वात्सल्य और स्नेह के भावों का विकास भाईचारे भावना के लिये प्रेरित करना (ढाई अक्षर प्रेम का)



 Dr. Sushma Jain
 Principal
 Prncipal
 Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
 Tilwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा : 6

विषय : गणित


पुस्तक : एन. सी.ई.आर. टी.

माह	पाठ	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	अपनी संख्याओं की जानकारी	- राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय पद्धतियों का प्रयोग करना, सिखाना - भार,चाल,मूल्य आदि का ज्ञान कराना व इन्हें गुणा,भाग, जोड़, घटाना की संक्रियाओं द्वारा हल करना	- शिक्षक छात्र अभिनय	- आइ सी टी द्वारा प्रदर्शन (दृश्य - श्रव्य) - खेल द्वारा - नाटक द्वारा	-छात्राए संख्याओं को विभिन्न पद्धतियों में परिवर्तित करने में सक्षम होगी - विभिन्न राशियों की इकाई परिवर्तित करने मेंसक्षम होगी	30 प्रश्नों की अभ्यास पत्रक(वर्क शीट) हल करेंगी -बहुविकल्पीय रिक्तस्थान सत्य\असत्य ½ अंक (20) -इबारतीप्रश्न -सूत्र 1\2 अंक -गणना 1अंक	-छात्राए जो शीघ्र हलकरेंगी को कक्षा में सम्मानित किया जायेगा -आंशिक सही होने पर अथवा पूर्णता असफल होने पर उन्हें योग्यतानुसार समझाकर पुनः कुछ प्रश्न हल करने दिए जाएंगे	-जीवन में अपव्यय का महत्व आयेगा -समय प्रबन्धन करना
अप्रैल	पूर्णांक	- प्राकृत,पूर्ण संख्याओं को दोहराते हुए "ऋणात्मक संख्याओं " से परिचित कराना - संख्याँ - रेखा का प्रयोग कर निष्कर्ष निकालना	- विचार - विमर्श विधि - दृष्टांतविधि	-मेले का आयोजन - आइ सी टी द्वारा प्रदर्शन (दृश्य - श्रव्य) - खेल द्वारा	- छात्रा भौगोलिक परिस्थितयो को समझने में सक्षम होंगे समुद्र-तल में ऊंचाई ,गहराई - तापमान , हिमांक आदि को समझेंगी - लाभ - हानि को समझने मेंयोग्य होंगी	- 20 प्रश्नों की अभ्यास पत्रक(वर्क शीट) हल करेंगे बहुविकल्पीय रिक्तस्थान सत्य\असत्य ½ अंक (10) -इबारतीप्रश्न -सूत्र 1\2 अंक -गणना 1अंक	-जो जल्दी समझ लेगे उनकी मदद से , जिन्हें समझने में परेशानी है उनकी सहायता करवायेगे -नए उदाहरण देगे	-जीवन मे गुणों को बढ़ाने मे व अवगुणों को कम करने मे मदद मिलेगी - जीवन मे आय व्यय को व्यवधित करना सीखेगे
जून-जुलाई	आधारभूत ज्यामितीय अवधारणाएं	- प्रारंभिक ज्यामिति का प्रयोग करना परिचय एवं परिभाषित - सम्मुख भुजाएं, कोणों ,आसन्न भुजा, व कोणों का ज्ञान कराना - वृत्त के भागों से परिचय कराना - समांतर व प्रतिछेदी रेखाओं का ज्ञान कराना	- प्रयोगशाला विधि - वर्धा योजना	- रंगीन कागज पर वाली पेंटिंग बनाना - खेल - योगासन द्वारा	- विद्यार्थी किरण, रेखा व रेखाखंड में अंतर करने में सक्षम होंगे - विद्यार्थी कोण व भुजाओं के आधार पर त्रिभुजों में अंतर कर सकेंगे -जीवा, व्यास ,त्रिज्यखंड व वृत्तखंड पहचान सकेंगे	- छात्रावास कक्षा कक्ष घर आदि की खिड़की दरवाजे फर्श आदि की आकृतियों का निरीक्षण कर पाएंगे - उनमें उपस्थित सम्मुख कोण भुजा प्रतिछेदी,समांतर रेखा आदि की जानकारी लेंगे	- सही व स्पष्ट उत्तर देने वाले छात्रों की सराहना करना - असमर्थ या आंशिक समर्थ छात्रों को विद्यालय में ही पुनः विभिन्न निर्मित आकृतियों के माध्यम से समझा कर उनका ज्ञान वर्धन करेंगे	- हमारे देश की वास्तु रचनाओं मंदिर घर आदि की आकृतियों के सृजन में गौरव महसूस करेंगे - ऐसी नवीन निर्माण के प्रति उत्साहित होंगे
जुलाई	प्रारंभिक आकारों को समझना	- कोणों और रेखाओं की सहायता से - भुजाओं के आधार पर तथा - कोणों के आधार पर त्रिभुजों का ज्ञान कराना बहुभुज से परिचित कराना	- प्रयोगशाला विधि - संश्लेषण विधि	- योगासन द्वारा - जियो बोर्ड की सहायता से - विभिन्न प्रकार की बहुभुज से कक्षा कक्षाओं को सजाकर	-विद्यार्थीकोबहुभुज आकृतियोंऔरकोणोंका ज्ञानहोगा - त्रिभुजोंका,त्रिभुजोंकीभुजावकोणों केआधारपरअंतरकरपाएंगे	 -दिए हुए चित्रों के आधार	- बहुभुज की आकृतियों में स्पष्टता ना होने पर सुधार की सलाह दी जाएगी	- त्रिभुज के द्वारा सच्चे देव शास्त्र गुरु के प्रति आस्था रखने में प्रेरित होंगे - चतुर्भुज वृत्त द्वारा घर को जोड़े रखने में

					भवन और इमारतों में विभिन्न आकारों को खोज पाएंगे	पर पांच प्रश्न पूछेंगे प्रत्येक प्रश्न 2 अंक - कक्षा सज्जा करते समय उनका निरीक्षण किया जाएगा		एक समूह में रहते हुए अपने उद्देश्य से जुड़े रहने के लिए प्रेरित होंगे
अगस्त	बीजगणित	- चरों तथा अचरो से परिचय कराना - इनकी निश्चित और अनिश्चित स्थिति से अवगत कराना	- आगमन विधि - दृष्टांत द्वारा	- दृश्य श्रव्य - चित्र अभिनय	- चर और अचर के प्रति धारणा बनाएंगे - चरों और अचरों दोनों में अंतर कर पाएंगे	- अभ्यास पत्रिका में प्रश्न हल करेंगे मापदंड - कथन को बीजगणित के रूप में लिखना - 1 अंक - हल करना - 1 अंक	- सही ना करने वाले छात्रों को पुनः अभ्यास करवाकर प्रश्न पत्र हल करवाया जाएगा	- सिद्ध चरों की तरह शाश्वत हैं समझेंगे - अचर की तरह व्यक्ति अपने कर्मों के अनुसार विभिन्न गतियों में भ्रमण करता है - चर की तरह अच्छाइयों में दृढ़ होना सीखेंगे - अज्ञात में विश्वास करना सीखेंगे
अगस्त	आंकड़ों का प्रबंधन	- मिलान चिन्ह द्वारा संख्या जात करके सीखना / ज्ञात कराना - चित्र आलेख द्वारा आंकड़ों को वस्तुओं के रूप में निरूपित करना - दंड आलेख को ग्राफ द्वारा बनाना	- प्रदर्शन विधि	- पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा आईसीटी दृश्य श्रव्य 5-5 विद्यार्थियों के समूह में आंकड़ों को ग्राफ के माध्यम से	- शीघ्र गणना करने में सक्षम हो पाएंगे आंकड़ों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देने में सहायक होगा	- पांच प्रश्न पीपीटी के द्वारा हल करवाएं प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का - तीन प्रश्न ग्राफ पेपर पर बनवाना प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का	- सही प्रश्न हल करने वालों को प्रोत्साहन दिया जाएगा - कुछ भाग गलत होने पर उन्हें सुधारने की सलाह दी जाएगी	- बौद्धिक विकास होगा , सहयोग की भावना पैदा होगी, कला कौशल का विकास होगा
सितम्बर	अनुपात समानुपात	- अनुपात का ज्ञान कराना - समानुपात ज्ञान कराना/ ज्ञात कराना	- तुलनात्मक विधि - नाट्य विधि	- नाटक अभिनय - खेल द्वारा	- विद्यार्थी राशियों के परिमाण की तुलना करना सीखेंगे	- आकृतियों पर आधारित कार्यपत्रक 10 प्रश्न - प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का	- प्रोत्साहन देकर और अच्छी कार्य करने की ओर बढ़ाएंगे गलत करने वाले छात्रों को पूरा हल करने करेंगे पुनः हल करने को कहेंगे	- तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा - निरंतर व नियमित रूप से कार्य करने की भावना विकसित होगी
सितम्बर	सममिति	- आकृतियों को संतुलित करना - सममिति रचनाओं का निर्माण करना	- प्रदर्शन विधि - चित्र निर्माण विधि	- तकनीकी द्वारा आगरा का ताजमहल - रंगोली	- आकृतियों को समान भागों में विभाजित करना सीखेंगे - दर्पण में वस्तुओं का प्रतिबिंब देखकर सममिति ज्ञात करना सीखेंगे	- आकृति आधारित कार्यपत्रक - 10 चित्रों को सममिति की सहायता से पूर्ण करवाना - प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का	- उत्कृष्ट चित्र को सूचना पट पर प्रदर्शित किया जाएगा - असमर्थ छात्रों को चित्र बनाने में सहायता की जाएगी	- बौद्धिक व तार्किक विकास होगा - आत्मविश्वास की भावना जागृत होगी - जीवन में संतुलन आएगा

अक्टूबर	पूर्ण संख्याएँ	पूर्ण संख्याओं के साथ संक्रियाएँ (+ - *) करना संख्या रेखा पर योग व्यवकलन और गुणा करना सीखना	आगमन विधि संश्लेषण विधि	विद्यार्थी प्राकृत संख्याओं के साथ इबारती प्रश्न हल करना सीखेंगे विद्यार्थी संख्या रेखा पर क्रम विनिमेयता प्रगुण का उपयोग कर सकेंगे	खेल द्वारा चार्ट द्वारा	१० कार्यपत्रक वस्तुनिष्ठ प्रत्येक प्रश्न =१ आकृति बनाना =१/२	कमजोर छात्रों की त्रुटियों को दूर करने हेतुसुझाव दिए जाएँगे विद्यार्थी को स्व मूल्यांकन हेतु प्रेरित किया जाएगा	निरंतर व नियमित रूप से कार्य करने की भावना पुष्ट होगी जिजासा जाग्रत होगी
नवंबर	संख्याओं के साथ खेलना	गुणनखंड एवं गुणज का ज्ञान करना महत्तम व लघुत्तम समापवर्तक ज्ञात करना	आगमन विधि खेल विधि	विद्यार्थी गुणनखंड और गुणज में अंतर कर सकेंगे विद्यार्थी इबारती प्रश्न हल करने के सक्षम होंगे	खेल द्वारा गुणनखंड वृक्ष का निर्माण करवाएँगे	१० प्रश्न कार्यपत्रक पर हल १० वस्तुनिष्ठप्रश्न	प्रोत्साहन देकर और अच्छे कार्य करने की और बढ़ाए कमजोर विद्यार्थी को कार्य पूर्ण कराने में सहायता अच्छे विद्यार्थी करेंगे	आत्म विश्वास पैदा होगा बौद्धिक विकास होगा
नवंबर	आधार भूत ज्यामितीय अवधारणाएँ	रेखा, रेखाखंड और किरण में अंतर बताना बहुभुज का ज्ञान कराना वृत्त के भागों के बारे में जानकारी देना	विश्लेषण विधि चार्ट विधि खेल विधि	त्रिभुज के प्रकारों का ज्ञान कर सकेंगे चतुर्भुज के प्रकारों का ज्ञान के साथ ही आसन्न कोण, विपरीत कोण व भुजाओं की जानकारी हासिल करेंगे वृत्त के विभिन्न भागों का ज्ञान प्राप्त करेंगे	ऐतिहासिक स्मारक मीनार, पुलों द्वारा त्रिभुज का ज्ञान रंगोली (वृत्त, त्रिभुज) ज्यामितीयआकृतियों से पेकिंग पेपर का निर्माण करना	आकृति आधारित कार्य पत्रक आकृति पहचान=१/२ कोण माप =१/२ वृत्त भाग =१/२ त्रिभुज =१/२	उत्कृष्ट चित्र चार्ट को सूचना पट्ट पर प्रदर्शितकरेंगे कुछ गलत करने वाले छात्रों को पुनः हल करने को कहेंगे	बहुमान की भावना आत्म विश्वास बढ़ेगा बौद्धिक तार्किक विकास होगा
दिसम्बर	भिन्न	भिन्न व उसके प्रकार का ज्ञान कराना इबारती प्रश्न हल कराना भिन्न परिवर्तन का ज्ञान कराना	आगमन विधि प्रदर्शन विधि खेल विधि	विद्यार्थी भिन्नों को जोड़ने व घटाने के योग्य होंगे इबारती प्रश्न हल करने में समर्थ होंगे मिश्रित भिन्न को विषम भिन्न में परिवर्तन कर सकेंगे	ICT के माध्यम से रंगोली द्वारा	5 चित्र आधारित कार्यपत्रक - चित्र पहचान =१/२ 5इबारती प्रश्न हल=१ कथन =१/२	कार्यपत्रक एकत्रित करने के बाद सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिख दिए जायेंगे विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे समय सीमा में कार्य करें	मिल जुलकर कार्य करने की भावना का विकास सहयोग गुण विकसित होगा कलात्मक प्रवृत्ति का विकास
जनवरी	दशमलव	दशमलव संख्याओं का ज्ञान एवं उनमें संक्रियाएं + - करवाना संख्या रेखा पर दशमलवसंख्याओं का प्रदर्शन करना इबारती समस्या हल करने में मदद करना	आगमन विधि प्रयोगशालाविधि	दशमलवसंख्याओं को बोलने के साथ लिखकर जोड़ना व घटाना कर सकेंगे रु. को पैसे में बदलने के योग्य होगा इबारती समस्याओं को हल कर पाएँगे	ICT केद्वारा चार्ट द्वारा	१० प्रश्न कार्यपत्रक पर हल रिक्त स्थान =5 प्रत्येक सही =१ चित्र द्वारा सही =१/२ चार्ट द्वारा=१/२ रिक्त स्थान =१/२	सबसे पहले व सही कार्य करने वालों को प्रोत्साहन देंगे कमजोर विद्यार्थियों को पुनः हल करने का समय दिया जायेगा	छोटी छोटी वस्तुओं का मूल्य समझ पाएगा समय की कीमत कर पाएगा समानता का गुण विकसित होगा। गुणग्राही दृष्टि कोण

जनवरी- फरवरी	क्षेत्रमिति	आयत व वर्ग का क्षेत्रफल और परिमाण परिभाषित करना है आयत व वर्ग में अंतर ज्ञात कराना	आगमन विधि भ्रमण विधि	छात्रों में निम्नलिखित योग्यताएँ विकसित होंगी विभिन्न वस्तुओं को देखकर उनका क्षेत्रफल व परिमाण ज्ञात कर सकेगें ज्यामिती आकारों के निर्माण में सहायक होंगी	ICT के माध्यम से हडप्पा सभ्यता के स्नानागार का ज्ञान होगा मैदान में ले जाकर आकृतियोंका क्षेत्रफल व परिमाण ज्ञात करवाया तिरंगा द्वारा परिमाण	मापदंड भाग की माप = १/२ सूत्र=१/२ हल =१	सही प्रश्न हल करने वाले छात्रों को प्रोत्साहन देंगें कार्य में कमी होने पर अन्य विद्यार्थी के सहयोग से उसे दूर करने की प्रेरणा देंगें	बौद्धिक तार्किक विकास होगा कठिन परिश्रम करेंगें
-----------------	-------------	--	-------------------------	--	---	--	--	---


 Dr. Sushma Jain
 Principal
 Principal
 Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
 Titwaraghal, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा -छठवी

विषय -विज्ञान


पुस्तक N.C.E.R.T.

माह		शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च और अप्रैल	भोजन यह कहाँ से आता है।	विद्यार्थियों में भोजन के विभिन्न स्रोत जैसे- जन्तु एवं पादपो की जानकारी देना। सर्वाहारी, मांसाहारी एवं शाकाहारी जीवों की जानकारी बताना। पौधों के विभिन्न खाने योग्य भागों की उदाहरण सहित वर्गीकरण करना।	विद्यार्थी से उनके पूर्व-ज्ञान के आधार पर प्रश्न पूछना। प्रदर्शन एवं भ्रमण विधि- बगीचे एवं गौशाला भी जाकर जानकारी देना।	विभिन्न चार्ट(जन्तु एवं पादप) दृश्य श्रव्य सामग्री के माध्यम बताना। अभिनय माध्यम से पादपो के प्राप्त विभिन्न भागों से प्राप्त भोज्य सामग्री को चयन करवाकर ज्ञान पुष्ट करना। भोजन में क्या- क्या खाया उस-आधार पर जानकारी लेंगे।	विद्यार्थियों को पौधों एवं जंतुओं से प्राप्त भोज्य सामग्री की जानकारी मिलेगी। सर्वाहारी, मांसाहारी, शाकाहारी जीवों में भेद आसानी से कर पायेंगे। पौधों के विभिन्न भागों की जानकारी (पत्तियाँ, फूल, फल) मिलेगी।	शाकाहारी,सर्वाहारी,मांसाहारी आदि जन्तुओं के प्लास्टिक के प्रतिरूप के माध्यम से आहार श्रृंखला तैयार करायेंगे।	विद्यार्थियों रुचि एवं उत्सुकता पूर्वक इस अध्याय का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	
	भोजन के घटक	-भोजन के मुख्य पोषक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट,प्रोटीन और बसा आदि की पहचान कराना। -भोजन के विभिन्न घटकों का परीक्षण करवाना। -भोजन घटकों की कमी से होने वाले रोगों की जानकारी देना।	-प्रदर्शन विधि -व्याख्यान विधि -परीक्षण विधि (प्रयोग शाला विधि) -प्रश्नोत्तर विधि	-प्रयोग शाला में परीक्षण करवाना पोषक तत्वों की जानकारी देना। -विभिन्न खाद्य सामग्री को प्रदर्शित करके भोजन के घटकों के स्रोतों को बताना। -चार्ट आदि के माध्यम से अभावजन्य रोगों के लक्षण समझना।	-विद्यार्थियों को भोजन के घटकों कार्बोहाइड्रेट,प्रोटीन ,बसा आदि की जानकारी मिलेगी। -वे भोजन के घटकों में भेद कर पायेंगे। -विभिन्न आयु वर्गों के व्यक्तियों के लिए संतुलन आहार का महत्व समझ पायेंगे।	-दुकान (खाद्य सामग्री) लगवाकर विद्यार्थी को भोजन के घटक को वर्गीकृत करवाना। -आयोडीन टेस्ट के द्वारा कार्बोहाइड्रेट का परीक्षण करवाना। - प्रोटीन का परीक्षण करवायेंगे। -लिखित परीक्षा द्वारा मूल्यांकन।	-विद्यार्थियों के द्वारा इस पाठ में रुचि ली जायेगी। -विद्यार्थीभोजन का महत्व समझेंगे।	-फास्ट फूड के ग्रहण से होने वाली विकृतियों को समझेंगे। -भोजन को वर्वाद होने से बचायेंगे।
जून	तन्तु के वस्त्र तक	-प्राकृतिक एवं संश्लेषित तंतुओं में भेद कराना। -वस्त्र निर्माण की प्राचीन तकनीक जैसे- तकली,हथकरघा,की जानकारी देना।	-प्रदर्शन विधि -भ्रमण विधि (हथकरघा,उदयोग्य कारखाना ले जाना) -अन्वेषण विधि	- दृश्य श्रव्य तकनीक का प्रयोग। -तकली एवं पेट्टी चरखा का उपयोग करके कपास से धागा बनवाना। -ज्वलन परीक्षण के द्वारा सूती एवं नाइलोन वस्त्र में भेद करवाया।	-विद्यार्थी विभिन्न तंतुओं जैसे कपास,जूट,ऊँ,रेशम ,नाइलोन ,रेयान,आदि की पहचान कर पाएँगे। -प्राचीनकाल में प्रयुक्त होने वाले वस्त्र निर्माण के यंत्र,तकली,चरखा आदि को अभ्यास में लायेंगे। -राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसक जीवन से परिचित हो पायेंगे।	- मूल्यांकन परीक्षण द्वारा प्राकृतिक एवं संश्लेषित तंतुओं की पहचान करवाना।	-विद्यार्थी तकली और पेट्टी चरखा से धागा बनाकर उत्साहित होंगे।	-भारत के प्राचीन वस्त्र उद्योग को समझ पायेंगे। -राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वावलंबन एवं जीवन जीने की कला सीख पायेंगे।
जुलाई	वस्तुओं के समूह बनाना	-विद्यार्थियों को अपने चारों ओर के विभिन्न प्रकार की वस्तुओं से परिचित करना। पदार्थों के जैसे- पारदर्शिता चालकता ,विलेयता आदि की पहचान कराना।पदार्थों के गुणों के आधार पर समूह बनाना।	-प्रत्यक्ष विधि -प्रदर्शन विधि एवं प्रयोगशाला विधि	-प्रयोगशाला में पारदर्शिता घुलनशीलता ,आदि बतलाना। -काँच,पुस्तक कागज का प्रदर्शन करना।	-विद्यार्थी पदार्थ के विभिन्न अवस्थाओं को समझ सकेंगे। -चालक, कुचालक, धातु,अधातु ,विलेय, अविलेय में भेद कर सकेंगे।	-विभिन्न वस्तुओं को गुणों के आधार पर समूह बनवाना धातु,अधातु,ठोस ,द्रव ,गेस ,चमक ,कठोरता में वर्गीकृत करना।	-सभी विद्यार्थी रुचि पूर्वक इन प्रयोगों के माध्यम से वस्तुओं के गुणों को जानेंगे।	-प्रत्येक वस्तु एवं व्यक्तिओं में कोई न कोई विशेष गुण होता है जिससे उसकी पहचान होती है।

जुलाई	हमारे चारों ओर के परिवर्तन	-विद्यार्थीओ को परिवर्तन के प्रकार की जानकारी देना । -उत्क्रमणीय व अनुत्क्रमणीय परिवर्तनों में भेद करना । -रासायनिक और भौतिक परिवर्तनों को अपने परिवेश में जानना ।	-विश्लेषण विधि -प्रयोग विधि -प्रश्नोत्तर विधि	- छात्रों से विचार विमर्श करेंगे । -विद्यार्थियों से स्वयं भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तनों के विभिन्न उदाहरण प्रस्तुत करवाना	--विद्यार्थी भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तनों जैसे मोम का पिघलना या मोम का जलना आदि को जानेंगे ।	--विद्यार्थियों के जीवन में काम आनी वाली वस्तुओं में होने वाले परिवर्तन के बारे में पूछना । जैसे जंग लगना बर्फ का पिघलना ।	सभी विद्यार्थी जिज्ञासा पूर्वक उन परिवर्तन को जानेंगे ।	-प्रकृति परिवर्तन शील है । -जीवन में परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं ।
अगस्त सितंबर	- गति एवं दूरियों का मापन Body movement शरीर में गति	-काल्पनिक एवं मानक मापन इकाइयों द्वारा दूरी की मापन की आवश्यकता का ज्ञान कराना । -विभिन्न वस्तुओं के माप के लिए विभिन्न उपकरणों के उपयोग की जानकारी देना । -गति एवं उसके विभिन्न प्रकारों में अंतर बताना । -घरेलू सामग्रियों का उपयोग करके विभिन्न प्रकार की संधियाँ (joints) जैसे कंदुक खल्लिका संधि (ballandsocketjoint) कब्जा संधि hingejoint आदि का लाभ बताना । -हमारे शरीर में स्नायु और उपास्थियों का महत्व बताना । -शरीर में मांसपेशियों (muscles) की गति का महत्व समझाना ।-मानव शरीर में कंकाल तंत्र के प्रतिरूप (model) का उपयोग करके मेरुदंड (backbone) में कशेरुकायें कैसे जुड़ी हुई हैं एवं उनके कार्य से अवगत कराना । -केचुआ घोघा,कॉकरोच,मछली,साप आदि की गति मभेद करना ।	-प्रदर्शन एवं प्रयोगशाला विधि -आगमन विधि -निगमन विधि भ्रमण विधि -प्रतिरूप प्रदर्शन विधि के माध्यम से मानव कंकाल को समझाना । -सामुहिक चर्चा के माध्यम से संधि (joints), अस्थियाँ (bone) आदि के कार्य एवं महत्व समझाना । -व्याख्यान विधि के माध्यम से कंकाल तंत्र के विभिन्न भागों के कार्य एवं संरचना बताना । -संश्लेषण विधि ।	-विद्यार्थी स्वयं (प्राचीन उपकरण) कदम, हाथ की लंबाई, हथेली के फैलाव के द्वारा विभिन्न वस्तुओं का माप करेंगे । -आधुनिक उपकरण गज,मीटर,स्केल,इंचीटेप,नरम लचीला इस्पातीय आदि से विभिन्न वस्तुओं को मापेंगे । -दृश्य श्रुत्य सामाग्री के द्वारा अतिरिक्त में तारों की गति का अवलोकन कर पायेंगे । -x-ray का प्रयोग करके डॉक्टर के द्वारा अस्थियों में टूटन एवं स्नायुओं में क्षति होती है यह ज्ञात कराएँगे । -दृश्य श्रुत्य समग्रियों द्वारा शरीर में गति (मांसपेशियों संधियों की गतियों का ज्ञान कराएँगे)। -कक्षा में चार्ट (स्नायु,कंकाल,एवं संधियों के प्रकार)से समझाएँगे।	-विद्यार्थी आधुनिक एवं प्राचीन मापक उपकरणों को जानेंगे । -मौद्रिक पद्धति G.G.S.,F.P.S. M.K.S.,S.I. आदि पद्धतियों के बारे में जानेंगे। -विभिन्न वस्तुओं की गतियों को पहचान पायेंगे । -मीटर से c.m.,k.m.,m.m.में बदलना सीखेंगे । -विद्यार्थियों को कंकाल तंत्र के विभिन्न भाग जैसे खोपड़ी (skull),(ribcage)पसली पिंजर, मेरुदंड (backbone),संधियाँ(joints) का ज्ञान होगा । -हाथों में पैरों में पायी जाने वाली अस्थियाँ जैसे ह्यूमरस,रेडियस,अलना,फीमर आदि अस्थियों का ज्ञान होगा । -मानव एवं विभिन्न जीव जंतुओं में किस प्रकार मांसपेशियाँ अस्थियों गति करने में मदद करती हैं ।(संकुचन एवं विस्तारण)को समझेंगे ।	-पार्क में जाकर विभिन्न झूलों की गतियों को पहचानेंगे । -ब्रतय करते समय घड़ी की सुई,मशीन की सुई,मंदिर की घंटे की गति बतायेंगे । -वैंड मिंटन खेल खिलाते समय पकड़ने में एवं खेलते समय हाथ की कौन-सी संधि मदद करती है । -क्रिकेट में वोलिंग (गेंद फेंकते समय) हाथ की कौन सी संधि मदद करती है ? (ballandsocket) कंदुक खल्लिका संधि -कौन बनेगा अच्छा KBAS खेल के द्वारा विद्यार्थियों के विषय "शरीर में गति" का मूल्यांकन करेंगे ।	-सभी विद्यार्थी उत्साह एवं रुचि पूर्वक उस पाठ का अध्ययन करेंगे । -विद्यार्थी रुचि पूर्वक इस पाठ का अध्ययन करेंगे । -खेल खेलने सभी विद्यार्थी इस अध्याय को जानेंगे ।	-दैनिक उपयोगी क्रियाओं वस्त्र,सब्जी,आदि खरीद पायेंगे एवं विभिन्न स्थानों की दूरियों को माप पायेंगे । -जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं की गति जान पायेंगे । -मापन के क्षेत्र में विद्यार्थियों को कोई धोखा नहीं दे पायेगा । -कहानी के माध्यम से एकता में शक्ति होती है सभी कार्य संचालित अच्छे से होते हैं । बताएँगे यदि मेरुदंड संधियाँ आदि अपना कार्य बंद कर दे तो शरीर की गति रुक जाएगी और शरीर रोग ग्रस्त भर स्वरूप हो जाएगा ।ऐसे ही समूह में कोई भी अपना काम बंद कर दे तो समूह की गति रुक सकती है ।

अक्टूबर	पदार्थों को पृथक करना पौधों को जानिए।	-विद्यार्थी अलग-अलग पदार्थों को अलग-अलग पहचानने में सक्षम होगा। -विद्यार्थी मिश्रण के गुणों के अनुसार अलगाव के तरीकों की व्याख्या करने के योग्य बनेगा। -विद्यार्थी अपनी गतिविधियों का अवलोकन कर सकेंगे। -विद्यार्थी पौधों के विभिन्न भागों की पहचान करने एवं उनके कार्यों को जानने में सक्षम होंगे। -पुष्प एवं पत्तियों की संरचना की जानकारी प्राप्त करवाना। -पौधों में वाष्पोत्सर्जन विधि के द्वारा जल की हानि को समझेंगे।	-भ्रमण विधि एवं प्रयोगशाला विधि -अवलोकन विधि -समस्या समाधान विधि -भ्रमण विधि	-फिल्टर पत्र, प्रथक्करण, कीप, आदि का प्रयोग कर द्रव से ठोस का प्रथक्करण करना एवं तेल को द्रव से प्रथक्करण करना। -खेत में लेजाकर निष्पादन winnoingthreasingseiving (चालन)आदि से विद्यार्थियों को अवगत कराएंगे। Wordgrid -शब्द पहेली के माध्यम से पौधों के अंगों को जानेंगे। -गुड़हल के फूल के प्रत्येक भाग को पृथक कर आंतरिक संरचना बतायेंगे। -बच्चों की गति (नदी न पिये अपना जल, वृक्ष न खाये अपने फल)के माध्यम से प्राकृतिक वस्तुओं के उपकार को बताएंगे।	-विद्यार्थी हाथ से बीनना, चलना, निथारना, अवसादन आदि विधियों के द्वारा पदार्थों को प्रथक्करण करने में सक्षम हो पायेंगे। -छात्रों को दिये गये मिश्रण को नमूनों को विश्लेषण करने में समर्थ होगा। -विद्यार्थी पौधों के विभिन्न भागों प्रकार (शाक, झाड़ी, वृक्ष) आदि में भेद कर पायेंगे एवं पौधों के विभिन्न भागों के कार्यों को समझेंगे। -पौधों के नर (male), मादा (female) भागों (part) समझेंगे।	-विद्यार्थीओं के समक्ष मिश्रण के नमूने रखकर पदार्थों के प्रथक्करण करने की विधियों की जानकारी लेगे। -बगीचे से लेजाकर विद्यार्थी से विभिन्न प्रकार के फूल एवं पत्तियों की संरचना की जानकारी लेगे।	-विद्यार्थी रुचि पूर्वक पूर्ण मनोयोग से पदार्थों के पृथक्करण करेंगे। -विद्यार्थी वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित होंगे।	-विद्यार्थी वस्तुओं की उपयोगिता एवं अनुपयोगिता को जानेंगे एवं उसके गुणगृहिता दृष्टि विकसित होगी। -इस अध्याय के माध्यम से विद्यार्थी जानेंगे कि वृक्षों का हर एक भाग हमारे लिए उपयोगी है, वह परोपकार करता है।
नवंबर	सजीव एवं उनका परिवेश जल	-विद्यार्थियों को पादप एवं जन्तुओं के विभिन्न आवासों का ज्ञान कराना - पादप एवं जन्तुओं में परिवर्तन एवं अनुकूलन (जलीय वायवीय एवं मरुद्धिद को समझने में सक्षम बनाना। -पादप एवं जन्तुओं के आवास में जैविक एवं अजैविक घटक तथा उनके प्रभाव को समझना। -विद्यार्थियों को इस जीवन में जल की उपयोगिता को समझाना। -जल के प्रबंधन एवं संचयन को बताना। -जल चक्र प्रवाह को समझाना एवं वर्षा जल संग्रहण के महत्व को समझाना।	-पूर्वज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तर विधि -अन्वेषण विधि -भ्रमण विधि -प्रयोग विधि -प्रयोग विधि -अवलोकन विधि -प्रत्यक्ष विधि -भ्रमण विधि	-दृश्य-श्रुत्य सामग्री, रेगिस्तान जहाज (चिड़िया घर का भ्रमण) विभिन्न आवासों के चित्र से एलबम तैयार करवाएंगे। -विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से पादपों एवं मनुष्य में वृद्धि श्वसन, उत्सर्जन, उद्दीपक आदि क्रियाओं को समझाएंगे। -दृश्य श्रुत्य सामग्री -जल के बचत के पोस्टर प्रदर्शित करेंगे। -घरेलू तकनीक विधि जैसे (फिटकरी का उपयोग, पानी को उबालना) घरेलू जल संयंत्र का प्रयोग करेंगे। वर्षाजल संग्रहण प्रतिरूप (टैंक) watertank बनबाएंगे।	-विभिन्न क्षेत्रों में पाये जाने वाले पादप एवं जन्तुओं के विभिन्न आवासों के बारे में जानेंगे। -विद्यार्थी इस अध्याय में सजीव एवं निर्जीव में अंतर कर पाएंगे। -जन धन पर होने वाले विद्यार्थी अल्प वर्षा (सूखा) और अत्यधिक वर्षा (बाढ़) के प्रभाव को समझेंगे। -कैसे पीने योग्य जल हमारे घर तक पहुँचता है? (नदी से घर तक) क्लोरीनीकरण विधि द्वारा जल शुद्धिकरण समझेंगे।	-छात्रों के ज्ञान का अवलोकन प्रश्न मंच के द्वारा किया जाएगा। -जल कैसे बचाया जाता है इसके आधार पर तीन क्रियाकलापों कि सूची बनवाएँगे। -पत्रिका में या पुराने समाचार पत्रों से आई बाढ़ एवं सूखा संबंधी चित्र एकत्रित करवाएँगे।	-विद्यार्थी अत्यधिक उत्सुकता के साथ इस अध्याय का अध्ययन करेंगे। -विद्यार्थी संवेदन शीलता के साथ उस अध्याय का सजग होकर अध्ययन करेंगे।	-अपने चारों ओर पाये जाने वाले जीवों एवं पौधों की विविधता को देखकर विद्यार्थी जानेंगे कि यह जीवन कितना सुंदर है। -"जल ही जीवन है।" "जल ही कल है।" "जल कि बचत जीवन कि बचत है।" "भूमिगत जलस्तर को बढ़ाने में वर्षा जल का संग्रहण जरूरी है।"
दिसंबर	प्रकाश छाया एवं परावर्तन	-विद्यार्थियों को प्रकाशीय, पारभासी तथा अप्रकाशीय वस्तुओं में भेद कराना। -पर्दा, प्रकाश का स्रोत, छाया कि आवश्यकताओं का ज्ञान कराना। -समतल दर्पण द्वारा परावर्तन के नियमों कि जानकारी देना।	-प्रयोगशाला विधि -प्रदर्शन विधि आगमन विधि प्रायोगिक विधि -निगमन विधि एवं आगमन विधि -आगमन एवं निगमन	-पिन होल (सुई छिद्र) कैमरे द्वारा वस्तु कि प्रतिविम्ब की स्थिति का अवलोकन करना। -पेरीस्कोप, कैलायडीस्कोप (बहुरूपदर्शक) से वस्तुओं की प्रतिविम्ब की स्थिति का ज्ञान कराना।	-विद्यार्थी प्रकाशीय (सूर्य) अप्रकाशीय (गृह, उपग्रह) पारभासी वस्तुओं में भेद कर पायेंगे। -समतल दर्पण के द्वारा आपतित किरण, अभिलंब और परावर्तित किरण की स्थिति को समझेंगे। -विद्यार्थी वायु के सभी गुणों को जन	-लिखित इकाई परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन करेंगे। -प्रातःकाल दोपहर सायं के समय सूर्य कि स्थिति के अनुसार छाया का अवलोकन करवाएँगे। -विभिन्न क्रियाकलाप द्वारा	-विद्यार्थी रुचि पूर्वक पिनहोल कैमरे, समतल दर्पण आदि वस्तुओं द्वारा बने प्रतिविम्ब का अवलोकन करेंगे। -विद्यार्थी वायु के अदभुत गुणों	-गुणवान व्यक्ति प्रदीप्त वस्तुओं जैसे (सूर्य) की तरह स्वयं को प्रकाशित करने के साथ-साथ दूसरे को प्रकाशित करते हैं। -वायु की गुणवत्ता पौधों एवं

	हमारे चारो ओर वायु	-विद्यार्थियों को अनुभव कराना कि वायु सभी जगह उपस्थित है एवं इसका अनुभव किया जा सकता है, किन्तु देखा नहीं जा सकता है। -वायु के विभिन्न गुणों जैसे स्थान घेरना, भार, दबाव डालना आदि से अवगत कराना। -वायु में मिश्रित अन्य घटक जैसे नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, जलवाष्प, धूल के कणों कि पहचान कराना।	विधि -प्रयोगशाला विधि -प्रदर्शन विधि -व्याख्यान विधि	-प्रयोग द्वारा बतायेंगे कि किसी वस्तु के जलने में ऑक्सीजन सहायक होती है एवं कार्बनडाई ऑक्साइड आग बुझाने में काम आती है। -Roleplay-जीवन में वायु का महत्व। -पवन चक्की, पैराशूट, हवाईजहाज का प्रतिरूप प्रदर्शित कराना।	पायेगे। -वायु में मिश्रित अन्य घटकों जैसे N_2 -78% O_2 -21%, CO_2 -0.3 अन्य गैसों की प्रतिशतता एवं वायु प्रदूषण को भी जान पाएंगे एवं इसके माध्यम से होने वाले रोगों को जानकर नियंत्रण के उपाय जानेगें।	ऑक्सीजन जल में सहायक होती है वायु दबाव डालती है विद्यार्थी इस पाठ से संबन्धित ज्ञान का मूल्यांकन करेंगे।	को रुचि एवं उत्साह पूर्वक जानेगें।	वृक्षों को लगाने से बढ़ती है अतः वृक्षारोपण करना चाहिए प्रदूषण मुक्त पर्यावरण को बनाना चाहिए।
दिसंबर	विद्युत तथा परिचय	-विद्यार्थियों को विद्युत के विभिन्न स्रोतों, विद्युत वल्ब, सेल, सौर बैटरी आदि का ज्ञान कराना। -विद्युत धारा के प्रवाह की गति (+से-)परिपथ के माध्यम से समझाना। - विद्युत के चालक एवं सुचालक की पहचान कराना।	-प्रदर्शन विधि -प्रयोग विधि -आगमन विधि	-वोल्टीय सेल, शुष्क सेल, सौर सेल की संरचना (सेल को खोलकर आंतरिक संरचना की जानकारी देंगे)। -प्रयोगशाला में लेजाकर विद्युतपरिपथ तैयार करवायेगे। दृश्य श्रव्य सामग्री से बदलों की गड़गड़ाहट व उत्पन्न बिजली, जलीय, तापीय विद्युत, (कोयले)की जानकारी प्राप्त करवाएंगें।	-विद्युत चालक के साथ साथ विद्युत रोधक की महत्वता कोण जानेने। -विद्युत रोधी, विद्युत वाहक पदार्थों को जानेगे एवं भेद करेंगे। -विद्युत परिपथ तैयार करते समय प्रयोग करते समय रखने वाली सवधानिया को जानेगे।	-दिये गये उपकरणों (विद्युत वल्ब, तार, सेल) के माध्यम से परिपथ बनवाएंगें। - विद्युत परिपथ में प्रयुक्त घटकों के चिन्हों पर आधारित प्रश्न पुछेंगे। दी गई विभिन्न तालिका में विभिन्न (धातु अधातु) पदार्थों को विभाजन करवाएंगें। -दिये गये पदार्थों का परीक्षण करके प्राप्त सूचनाओं के द्वारा तालिका में विद्युत रोधी और विद्युत वाहक पदार्थों का ज्ञान करेंगे।	-विद्यार्थी वैज्ञानिक दृष्टि कोण के साथ इस अध्याय का अध्ययन करेंगे।	-हमारा शरीर विद्युत का सुचालक है। अतः विद्युत उपकरणों का उपयोग करते समय सावधानियाँ बरतना चाहिए। -प्राकृतिक संसाधनोंकी बचत के लिए विद्युत की बचत आवश्यक है।
जनवरी	कचरा संग्रहण एवं निपटान	-अपशिष्ट (कचड़ा) क्या है? हम उसको कितना कम कर सकते हैं? इसका ज्ञान कराना। -कूड़े के प्रकार (biodegradable) जैव निम्नीकृत अपशिष्ट एवं जैव आनिम्नीकृत अपशिष्ट पदार्थों में भेद कराना। -अवशिष्ट को कम करने को (4R's) प्रबन्धन की विधियों की जानकारी देना।	-प्रत्यक्ष विधि -प्रदर्शन विधि -प्रयोगिक विधि -भ्रमण विधि	-विद्यालय में वर्मी कंपोस्टिंग (कृमि से प्राप्त खाद) को बनायेगें। -कागज का पुनर्चक्रण करवाएंगें। -दृश्य श्रव्य सामग्री द्वारा कचरे का पर्यावरण पर प्रभाव की जानकारी देंगे।	-इस अध्याय के माध्यम से विद्यार्थी प्रधानमंत्री जी द्वारा संचालित "स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा बन पायेगें। जैव निम्नीकृत भाग से जैविक खाद को बना पायेगें। -अवशिष्ट प्रबन्धन की विधियाँ (4R's) Reduce, Recycle, Remove, Reuse की जान पायेगें।	दिये गये पदार्थों का परीक्षण करके प्राप्त सूचनाओं के द्वारा तालिका में विद्युत रोधी और विद्युत वाहक पदार्थों का ज्ञान करेंगे। -प्लास्टिक वरदान या अभिशाप वाद विवाद /परिचर्चा। -Roleplay, नुक्कड़ अभियान के माध्यम से जागरूकता लायेंगे।	-विद्यार्थी जागरूकता से इस अध्याय का अध्ययन करेंगे।	सोचिये फिर फेंकिए क्योंकि जितना अधिक कचड़ा पैदा होगा इससे छुटकारा पाने में अधिक कठिनाई होगी।


 Dr. Sushma Jain
 Principal
 Principal
 Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
 Tilwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा -6


विषय - सामाजिक विज्ञान (इतिहास)

पुस्तक : एनसीईआरटी

माह	पाठ	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	1. क्या, कब, कहां और कैसे	- छात्रों को आरंभिक मानव के विषय में बताना। - छात्रों को अतीत के साधन जैसे पांडुलिपि अभिलेख एवं विशेष तिथियों के बारे में बताना। - छात्रों को अपने देश के अन्य नामों से परिचित कराना।	-प्रश्नोत्तर विधि -स्पष्टीकरण -मानचित्रका उपयोग -चित्र एवं चार्ट -संग्रहालय का भ्रमण -विचार-विमर्श	दृश्य श्रव्य पीपीटी	-छात्रों ने आरंभिक मानव के विषय में विशेष रूप से जानकारी प्राप्त की। -छात्रों अतीत के विभिन्न साधनों से परिचित हुई। -छात्रों भारत के प्राचीन नाम से परिचित हुई।	मौखिक प्रश्नोत्तर विधि के प्रयोग द्वारा। लिखित परीक्षा विधि द्वारा।	बच्चों ने उत्साह पूर्वक पाठ का अध्ययन किया। समय-समय पर सही कार्य करने वाली छात्रों की सराहना की जाएगी। छात्रों को सहयोग दिया जाएगा।	छात्रों अतीत से प्राप्त सामग्रीकी सुरक्षा के लिए कटिबद्ध होगी। छात्रों में देशभक्ति की भावना जागृत हुई।
अप्रैल	2. आरंभिक मानव की खोज में	- छात्रों को आरंभिक मानव द्वारा दी गई खोजों के विषय में जानकारी देना। - छात्रों को आरंभिक मानव के आवासीय स्थल, उद्योग स्थल, पुरास्थल आदि के बारे में बताना। - छात्रों को आग की खोज, पाषाण औजारों के निर्माण एवं समय की शैल चित्रकला से परिचित कराना।	- प्रश्न उत्तर विधि - मानचित्र - चित्र का प्रयोग - विचार-विमर्श	पीपीटी के माध्यम सेपुरास्थल को दिखाना।	छात्रों ने आरंभिक मानव द्वारा की गई खोजों जैसे आग की खोज,पुरास्थल,आदि के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।	छात्रों ने मानचित्र पर पुरास्थलों को दर्शाया।	छात्रों का अच्छा प्रयास रहा। सही उत्तर देने वाली छात्रों की सराहना की गई।	- छात्रोंकोखोज को करने के लिए प्रयत्न रत होगी। - इतिहास के प्रति गौरव जागा।
जुलाई	3. संग्रह से उत्पादन तक	छात्रों को आरंभिक मानव के अस्थिर जीवन से स्थिर जीवन की कहानी को सुनाना। छात्रों मेंहरगढ़ एवं दाओजली हेडिंग पुरास्थलों के बारे में जानकारी देना।	- प्रश्नोत्तर विधि - स्पष्टीकरण विधि - चित्र चार्ट - मानचित्र - विचार-विमर्श	पीपीटी	छात्रों ने आदिमानव के स्थायी जीवन के बारे में जाना। छात्रों आदिमानव की कृषि एवं पशु-पालन करने की कला से परिचित हुई।	बहुविकल्पीय प्रश्न परीक्षा विधि द्वारा	छात्रों की तर्कशक्ति, विचार अभिव्यक्ति की सराहना की गई। छात्रों के विषय के प्रति रुचि जागृत करने को कहा गया।	- छात्रों के सामूहिक कार्य के प्रति रुचि जागृत हुई। - स्थिर जीवन शैली के प्रति उत्साह
अगस्त	4.आरंभिक नगर	- छात्रों को प्राचीन नगरों जैसे हड़प्पा नगर एवं मोहनजोदड़ो के बारे में ज्ञात कराना। - हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारणों से छात्रों को अवगत कराना। - हड़प्पा कालीन नगर जैसे धोलावीरा एवं लोथल के बारे में बताना।	- पारंपरिक विधि -समस्या समाधान विधि -मानचित्र, चार्ट विधि - बाल केंद्रित विधियां	पीपीटी विधि	-छात्रों ने आरंभिक नगरों एवं उनकी विशेषताओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। - उन्होंने जाना कि इस महान सभ्यताओं के पतन के पीछे क्या कारण रहे हैं? धोलावीरा एवं लोथल नगरों की विशेषताओं से छात्रों परिचित हुई।	प्रश्नोत्तर विधि द्वारा सामूहिक चर्चाविधि निरीक्षण विधि	-छात्रों ने रुचि पूर्वक पाठ का अध्ययन किया। -छात्रों के विचार अभिव्यक्ति की सराहना की गई। - संकोची छात्रों को आगे बढ़ाया जाएगा।	छात्रों में ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण की रुचि जागृत हुई। प्राचीन संस्कृति के प्रति लगाव।
सितम्बर	5.क्या बताती है हमें किताबें और कर्बें	-छात्रों को दुनिया की प्राचीनतम विविध ग्रंथों के बारे में बताना। -छात्रों को महापाषाण काल की जानकारी देना।	-व्याख्यान एवं कहानी विधि -समस्या एवं समाधान विधि -विचार-विमर्श विधि	पुस्तकालय भ्रमण	-छात्रों प्राचीन वेदों के बारे में जानेगी। -छात्रों महापाषाण काल के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगी। छात्रों इनाम गांव की जीवन शैली से	-बुद्धि परीक्षण विधि -सत्य असत्य वर्कशीट -अवलोकन विधि	-सही उत्तर देने वाली छात्रों की सराहना की जाएगी। -असमक्ष छात्रों को अच्छे से कार्य के लिए प्रेरित किया	-छात्रों में साहित्य पठन की रुचि जागृत होगी। -मिलजुल कर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। -साहित्य समाज का दर्पण

					परिचित हो सकेंगी।		जाएगा।	होता है समझेगी।
	6.राज्य ,राजा और एक प्राचीन गणराज्य	छात्राओं को आज से 3000 साल पहले शासनव्यवस्था से अवगत कराना। -बालिकाओं को अश्वमेध यज्ञ का ज्ञान कराना । -ब्राह्मणों द्वारा बनाई गई वर्ण व्यवस्था तथा जनपद एवं महाजनपद जैसे महत्वपूर्ण विषयों को समझाना।	वाद विवाद विधि मानचित्र प्रश्नोत्तर व्याख्यान अश्वमेध ज्ञान पर अभिनय	पीपीटी	-छात्राएँ अश्वमेध यज्ञ द्वारा साम्राज्य बढ़ाने की प्रक्रिया को जानेगी। - ब्राह्मणों द्वारा बनाई गई वर्ण व्यवस्था के बारे में जानेगी। -छात्राएँ जनपद एवं महाजनपदों से परिचित हो सकेंगी ।	- द्रष्टांत सुनाओ	वाक्कला में निपुण छात्राओं की सराहना अकुशल छात्राओं का पुनः अवसर दिया जाएगा ।	-छात्राओं को निर्भयता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। -वाक्पटुता -सामाजिक व्यवस्था में सहभागिता ।
अक्टूबर	7.नए प्रश्न नए विचार	- छात्राओं को जैन धर्म बौद्ध धर्म एवं उनकी विशेषताओं के बारे में बताया जाएगा। -छात्राओं को व्याकरण विद, पाणिनि, पैगंबर,जरयुस्त्र आदि के बारे में जानकारी देना।	- व्याख्यान एवं कहानी विधि - बाल केंद्रित विधियाँ - समस्या समाधान विधि - प्रश्नोत्तर विधि	पी.पी.टी संवादलेखन	- छात्राएँ जैन धर्म बौद्ध धर्म एवं उपनिषद की विशेषताओं से परिचित होगी । - छात्राएँ पाणिनि,पैगंबर, जरयुस्त्र तथा ब्राह्मणों की आश्रम व्यवस्था के विषय में गहराई से जानपाएगी ।	-साक्षात्कार पर आधारित प्रश्न पूछकर ।	-सही उत्तर देने पर छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाएगा ।	-धर्म में आस्था -महापुरुषों के जीवनदर्शन में रुचि ।
नवंबर	8.अशोक एक अनोखा सम्राट जिसने युद्ध का त्याग किया	- छात्राओं को महान सम्राट अशोका एवं उनकी शासन व्यवस्था से परिचित कराना । -अशोक के युद्ध त्याग की गौरव गाथा सुनना ।	- व्याख्यान एवं कहानी विधि - प्रश्न-उत्तर एवं समस्या समाधान विधि	-एकल अभिनय	छात्राएँ सम्राट अशोक की शासन व्यवस्था एवं नीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगी । -अशोक के त्यागमय जीवन शैली से प्रेरणा लेंगी ।	- प्रवाह चित्र पर	उत्तर देने में असक्षम छात्राओं को पुनःअभ्यास की प्रेरणा दी जाएगी ।	-अपने कर्म से महान बनने की कला से परिचित देश का मस्तक ऊंचा करने की प्रेरणा । -त्याग व अहिंसा की भावना का विकास ।
	9.खुशहाल गाँव और समृद्ध शहर	- छात्राओं को लोहे के प्रयोग एवं उनके बढ़ते लाभों के बारे में बताना। - छात्राओं को प्राचीन साहित्य, प्राचीन सिक्के एवं प्राचीन नगर जैसे- मथुरा एवं अरिकामेडू के बारे में बताना ।	- सर्वेक्षण विधि - निरीक्षण विधि - प्रश्नोत्तर विधि	- भ्रमण - प्रदर्शनी	- छात्रा लोहे के प्रयोग एवं उसके महत्व को समझेंगी। - छात्राएँ प्राचीन साहित्य,प्राचीन सिक्के एवं प्राचीन नगरों के बारे में जानकारी हासिल करेंगी ।	-प्रश्नोत्तर विधि द्वारा मूल्यांकन	-असक्षम छात्राओं को प्रेरित किया जाएगा ।	-छात्राओं में अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के प्रति रुचि जागृत होगी। -धातुओं की पहचान करना सीखेंगी ।
मार्च	10.व्यापारी, राजा और तीर्थयात्री	- छात्राओं को विदेशी व्यापारियों , व्यापार की वस्तुओं के विषय में बताना । - प्रसिद्ध रेशम मार्ग के बारे में बताना । - विश्वप्रसिद्ध नालंदा विश्व-विद्यालय से उनका परिचय कराना ।	- व्याख्यान एवं कहानी विधि - प्रश्नोत्तरविधि	- पी.पी.टी.	- भक्तिकी अवधारणा एवं विशेषताओं सेअवगत होंगी । -छात्राएँ को विदेशी व्यापारियों व व्यापारिक वस्तुओं से परिचित होंगी ।	- रुचि परीक्षण - अवलोकन - साक्षात्कार	-छात्राओं को अच्छी अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। -अभिव्यक्त न केआर पाने वाली छात्राओ पर ध्यान दिया जाएगा ।	-व्यवहार कुशलता - तीर्थों में आस्था -व्यापार की कला ।
दिसंबर	11.नए साम्राज्य और राज्य	- छात्रों को प्रशस्तियों का ज्ञान देना । - छात्रों को प्रशस्तियोंके माध्यम	- व्याख्यान - कहानीविधि - समस्या समाधान	- पी.पी.टी. - नाटक	- छात्राएँ प्रशस्तियों के माध्यम से विभिन्न वंश के राजाओं के बारे में जानेगी ।	- अवलोकन विधि	- अच्छे प्रदर्शन के लिए छात्राओं को सराहना की जाएगी।	- छात्राओं में वीरता साहस एवं परिश्रम आदि गुणों का विकास होगा।

		से गुप्त वंश, पल्लव, चाणक्य एवं वर्धन वंश के राजाओं का ज्ञान कराना। - महाकवि कालिदास एवं उनकी रचनाओं से छात्राओं का परिचय करवाना।	विधि		- छात्राओंको कवि कालिदास एवं उनकी प्रसिद्ध रचनाओं से परिचय प्राप्त होगा।		- साहित्य में रुचि के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। एवं रुचि न रखने वाली छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाएगा।	- काव्य में रुचि बढ़ेगी -कवियों के प्रति बहुमान की भावना का विकास।
जनवरी	12.इमारतें चित्र तथा किताबें	- छात्राओं को भारत की प्रसिद्ध ऐतिहासिक इमारतों के बारे में बताना। - छात्राओं को भारत की चित्रकला साहित्य कला एवं स्थापत्य कला से परिचय कराना।	- चित्र चार्ट - व्याख्यान - कहानी	- पी.पी.टी.	- छात्राओं को भारत के प्राचीन मंदिरों एवं इमारतों का ज्ञानप्राप्त होगा। - छात्राओं को भारत की साहित्य कला एवं स्थापत्य कला का ज्ञान प्राप्त होगा।	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	छात्राओं को अन्य प्रसिद्ध इमारतों, मंदिरों एवं कलात्मक चीजों की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।	- छात्राएं भारत की वास्तुकला कला से परिचित होगी। - चित्रकला में रुचि - मंदिरों में आस्था


 Dr. Sushma Jain
 Principal
 Pncipal
 Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
 Titwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा -6


विषय : सामाजिक विज्ञान (भूगोल)

पुस्तक : सामाजिक विज्ञान (एन. सी. ई. आर. टी.)

सितंबर	6. पृथ्वी के प्रमुख स्थल रूप	<ul style="list-style-type: none"> - छात्रों को पृथ्वी के प्रमुख स्थल रूपों का ज्ञान कराना - पर्वतों पठार व मैदानों के बारे में समझाना - स्थल आदि कैसे बनते हैं? यह समझाना 	<ul style="list-style-type: none"> - क्षेत्र भ्रमण विधि - प्रवाह विधि - प्रदर्शन विधि 	<ul style="list-style-type: none"> - पी. पी. टी. - प्रवाह चित्र - शैक्षिक भ्रमण 	<ul style="list-style-type: none"> - पृथ्वी के प्रमुख स्थल रूपों का ज्ञान - पर्वत, पठार व मैदानों का परिचय तथा इनके निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान 	<ul style="list-style-type: none"> - निरीक्षण (अवलोकन) - छात्रों द्वारा किये गए रचनात्मक कार्य का मूल्यांकन 	छात्रों को अपने आस-पास के स्थलमंडलों के भ्रमण एवं निरीक्षण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा	छात्रों में अपने बाह्य पर्यावरण से संपर्क स्थापित करने की समझ पैदा होगी
अक्टूबर	7. हमारा देश भारत	<ul style="list-style-type: none"> - छात्रों को विश्व में भारत की स्थिति समझाना - भारत के पड़ोसी देशों का ज्ञान कराना - भारत के भारत के राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का परिचय कराना 	<ul style="list-style-type: none"> - प्रदर्शन विधि - ग्लोब, मानचित्र विधि - प्रयोग विधि 	<ul style="list-style-type: none"> - मानचित्र को पढ़वाना - पी. पी. टी. 	<ul style="list-style-type: none"> - छात्रों को विश्व के मानचित्र पर भारत की स्थिति ज्ञान प्राप्त होगा - भारत के पड़ोसी देशों से परिचय होगा 	<ul style="list-style-type: none"> - मानचित्र को पढ़वाकर मूल्यांकन - निरीक्षण - मानचित्र प्रयोग 	कमजोर छात्रों को अभ्यास कराया जाएगा	<ul style="list-style-type: none"> - चिंतनशक्ति, तर्कशक्ति, बौद्धिक क्षमता का विकास - निरीक्षण- परीक्षण क्षमता विकसित होगी
नवंबर	8. भारत- जलवायु, वनस्पति तथा वन्य प्राणी	<ul style="list-style-type: none"> - भारत की जलवायु के विषय में ज्ञान कराना - भारत की ऋतुओं का ज्ञान कराना - भारत की प्राकृतिक, वनस्पतियों तथा वन्यप्रणियों के विषय में जानकारी देना 	<ul style="list-style-type: none"> - क्षेत्र भ्रमण विधि - प्रवाह चित्र विधि - प्रदर्शन विधि 	<ul style="list-style-type: none"> - पी. पी. टी. - शैक्षिक भ्रमण जैसे -चिड़ियाघर, नेशनलपार्क आदि 	<ul style="list-style-type: none"> - भारत की जलवायु के ज्ञान होगा - भारत में होने वाली ऋतुओं का ज्ञान एवं अनुभव होगा - भारत की प्राकृतिक, वनस्पतियों तथा वन्यप्रणियों से परिचय प्राप्त होगा 	<ul style="list-style-type: none"> - वनस्पतियों तथा वन्य - प्रणियों के चित्र दिखाकर प्रश्न पूछना 	<ul style="list-style-type: none"> - सही उत्तर देने वाली छात्रों का उत्साह-वर्धन किया जाए - कमजोर छात्रों को अभ्यास कराया जाएगा 	छात्रों में साहस, आत्मविश्वास जैसे गुणों का विकास

माह	पाठ का नाम	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	1.सौरमंडल में पृथ्वी	<ul style="list-style-type: none"> - छात्रों को सूर्य चंद्रमा ग्रह खगोलीय पिंडों का ज्ञान कराना - अमावस्या पूर्णिमा की रात्रि में अंतर समझाना - समस्त ब्रह्मांड का ज्ञान देना 	<ul style="list-style-type: none"> - खेल विधि - चार्ट विधि - प्रदर्शन विधि 	<ul style="list-style-type: none"> - पी. पी. टी. - खेल 	<ul style="list-style-type: none"> - छात्रों को खगोलीय पिंडों का ज्ञान हुआ - अमावस्या और पूर्णिमा की रात्रि में अंतर समझ में आया 	<ul style="list-style-type: none"> - प्रश्नोत्तर तथा अवलोकन 	<ul style="list-style-type: none"> - प्रभावी प्रस्तुतीकरण करने वाली छात्रों को सराहा जाएगा - कमजोर छात्रों का पुनः मार्गदर्शन 	<ul style="list-style-type: none"> - पुच्छल तारा टूटने से जीवन की नश्वरता का ज्ञान - अथाह ज्ञान प्राप्ति की जिज्ञासा
अप्रैल	2. ग्लोब: अक्षांश और देशांतर रेखाएँ	<ul style="list-style-type: none"> - छात्रों को ग्लोब का ज्ञान कराना - अक्ष, उत्तरी तथा दक्षिणी ध्रुव का परिचय कराना - विषुवत वृत्त सहित सभी महत्वपूर्ण अक्षांशों का ज्ञान 	<ul style="list-style-type: none"> - प्रदर्शन विधि (ग्लोब द्वारा) - चित्र विधि - श्यामपट्ट विधि - पाठ्यपुस्तक विधि 	<ul style="list-style-type: none"> - ग्लोब - पी. पी. टी. - चित्र प्रदर्शन 	<ul style="list-style-type: none"> - छात्रों का ग्लोब से परिचय प्राप्त हुआ - छात्रों ग्लोब पर अक्ष, उत्तरी एवं दक्षिणी ध्रुव की स्थिति को समझा - विषुवत वृत्त, कर्क रेखा, मकर रेखा आदि महत्वपूर्ण अक्षांशों का माप सहित ज्ञान याम्योत्तरो की जानकारी प्राप्त हुआ 	<ul style="list-style-type: none"> - प्रयोग (ग्लोब का) - चित्र का प्रयोग - प्रश्नोत्तर 	<ul style="list-style-type: none"> - प्रयोग करने वाली छात्रों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा 	<ul style="list-style-type: none"> - आत्मविश्वास - प्रयोग प्रदर्शन की कला

		कराना - देशांतर याम्योत्तरो का ज्ञान कराना						
जून	3. पृथ्वी की गतियाँ	- पृथ्वी की गतियों की जानकारी देना - घूर्णन, दैनिक गति, परिक्रमण, वार्षिक गति को समझाना - लीप वर्ष में क्या होता है? उसे समझाना - दिन - रात का ज्ञान कराना	- प्रदर्शन विधि - खेल विधि	- ग्लोब, मानचित्र - चार्ट विधि - खेल (गति पर)	- पृथ्वी की दैनिक गतियों तथा वार्षिक गति समझा - लीप वर्ष का आकलन करना सीखा	- ग्लोब पर प्रयोग विधि द्वारा मूल्यांकन - पाठ संबंधी प्रश्नोत्तर पूछेंगे	- प्रयोग करने वाली छात्राओं को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा - कमजोर छात्राओं का पुनः मार्गदर्शन	- गति का महत्त्व गतिशीलता
जुलाई	4. मानचित्र	- छात्राओं को विभिन्न मानचित्रों से परिचित कराना - मानचित्र के प्रकार समझाना - मानचित्रों के घटकों की जानकारी देना	- मानचित्र विधि - प्रदर्शन विधि	- पी. पी. टी. - मानचित्र - परीक्षण	- छात्राओं ने मानचित्र से परिचय प्राप्त किया - मानचित्र के प्रकार जैसे भौतिक मानचित्र, राजनीतिक मानचित्र एवं थिमेटिक मानचित्र से अवगत हुई - मानचित्र के घटकों, दूरी, दिशा तथा प्रतीक का ज्ञान हुआ	- मानचित्र को पढ़वाकर मूल्यांकन - प्रश्नोत्तर तथा निरीक्षण	- सही और स्पष्ट उत्तर देने वाली छात्राओं की सराहना की जाएगी - शिथिल छात्राओं को प्रेरित किया जाएगा	- मानचित्रिकरण की कला - क्षेत्र भ्रमण में रुचि
अगस्त	5. पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल	- पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल जैसे - भूमंडल, जल मंडल, वायु मंडल का ज्ञान कराना - पृथ्वी के महाद्वीपों जैसे- एशिया, यूरोप आदि का परिचय कराना	- क्षेत्र भ्रमण विधि - - चित्र विधि - प्रदर्शन विधि (ग्लोब, मानचित्र)	- पी. पी. टी. - शैक्षिक भ्रमण - मानचित्र एवं ग्लोब	- पृथ्वी के प्रमुख परिमंडलों का ज्ञान प्राप्त हुआ - ग्लोब एवं मानचित्र पर महाद्वीप एवं महासागर की स्थिति आदि का ज्ञान हुआ	- अवलोकन - छात्राओं द्वारा रचनात्मक कार्य चित्र आदि द्वारा मूल्यांकन	कमजोर छात्राओं को अभ्यास कराया जाएगा	महासागरों की लहरों के आवागमन से जीवन की अस्थिरता का आभास


 Dr. Sushma Jain
 Principal
 Principal
 Pratibhasthali Gyanodaya Vidyaapeeth
 Titwaraghat, Jabalpur-482001


प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा : छठवी

विषय : राजनीति विज्ञान पुस्तक : सामाजिक विज्ञान (एन. सी. ई. आर. टी.)

माह	पाठ का नाम	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	1. विविधता की समझ	- विभिन्न प्रकार की विविधता को बताना - भारत की विविधता को उदाहरण से बताना	द्रष्टान्त विधि	वीडियो दिखाया	- छात्रा विविधता को समझेंगी - विभिन्न प्रकार को विविधता जान सकेंगी	अभिनय के माध्यम से प्रस्तुति का मूल्यांकन	जिन छात्राओं को विभिन्न प्रकार की विविधता समझ में आई उन्हें प्रोत्साहित करना	भारत में विविधता के होने पर भी भारत एक अखंड देश है ऐसी राष्ट्रीय भावना जागृत हुई
अप्रैल	2. विविधता एवं भेदभाव	- भेदभाव को समझाना - भारत में भेदभाव एवं विविधता के प्रकार की सूची बनाना - पूर्वाग्रह एवं रूढ़िबद्ध धारणा को समझाना	- संवाद विधि - व्याख्यान विधि	डॉक्टर अंबेडकर की जीवन की घटनाओं को वीडियो से दिखाया जाएगा	भेदभाव एवं रूढ़िबद्ध धारणा में अंतर को समझ सकेंगी	छात्राओं द्वारा भेदभाव के कुछ अन्य उदाहरण प्रस्तुत किए जाएंगे	दलित समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव को दूर करने की जिम्मेदारी ली जाएगी	छात्राएँ अपने आस-पास में रहने वाले लोगों को समानता की दृष्टि से देखेंगी
जुलाई	3.सरकार क्या है?	- सरकार की परिभाषा समझाना - सरकार के प्रकार समझाना	- व्याख्यान विधि	चार्ट का प्रयोग	- सरकार के कार्यों की सूची बनाएँगी	अखबार की सुर्खियों को छाँटकर सरकार के कार्यों का कोलार्ज बन बनाएँगे	अच्छा कार्य करने पर प्रोत्साहित किया जाएगा	सरकार द्वारा बनाए गए कानून का महत्व समझा
अगस्त	4.लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य तत्व	- लोकतांत्रिक सरकार में लोगों की भागीदारी समस्या, समानता के समाधान को समझाना - कावेरी जलविवाद को समझाना	प्रदर्शन विधि (दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति)	कावेरी जल विवाद की वीडियो क्लिपिंग दिखाई जाएगी	लोकतांत्रिक व्यवस्था ना हो तो क्या होगा? इसे जानेंगे	दो समूह बनाकर अखबार में आई चुनावों की खबरों पर चर्चा की जाएगी	छात्राओं को सक्रिय रहने के बारे में कहा जाएगा	समानता स्थापित हो इसके लिए जरूरी सुझाव
सितम्बर	5. पंचायती राज	- ग्राम पंचायत के स्वरूप को समझाना - सदस्यों का चुनाव किस प्रकार होता है समझाना	व्याख्यान विधि	महाराष्ट्र के दो पंच जिन्हें 2005 में निर्मल ग्राम पुरस्कार दिया गया, उनका वीडियो दिखाया जाएगा	ग्राम पंचायत के कार्यों का विश्लेषण कर पाएँगी	अभिनय के माध्यम से प्रस्तुति का मूल्यांकन	- छात्राएँ ग्राम पंचायत के कार्यों को सूचीबद्ध करेंगी - ग्राम सभा एवं पंचायत में अंतर सीखेंगी	ग्रामीण स्तर पर छात्राएँ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित हुई
अक्टूबर	6.गाँव का प्रशासन	- गाँव के प्रशासनिक अधिकारी की जानकारी देना - पुलिस थाने का क्षेत्र संबंधी ज्ञान कराना	व्याख्यान विधि	ग्राम का सर्वेक्षण करवाया	छात्राएँ पटवारी,तहसीलदार आदि के कार्यों एवं जिम्मेदारी को समझेंगी	मौखिक परीक्षा द्वारा मूल्यांकन	तीनों सेवाओं की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए सुझाव दिए जाएँगे	सार्वजनिक सेवाओं का सर्वेक्षण (राशन की दुकान,आंगनबाड़ी, अस्पताल)
नवंबर	7. नगर प्रशासन	- नगर पालिका के कार्यों को समझाना - नगर निगम की जिम्मेदारी को समझाना - वार्ड के अंदर आने वाली समस्याओं से अवगत कराना	- व्याख्यान विधि - चार्ट विधि	कोलार्ज तैयार करवाया	छात्राएँ नगरपालिका, नगर निगम के कार्यों में अंतर करना सीखेंगी	- नगर निगम को होने वाली आय के स्रोत संबंधी प्रश्न पूछेंगे - मौखिक परीक्षा	स्वयं के द्वारा जिम्मेदारी को पूरा किया जाए	अपने आस-पास के वातावरण में सफाई, बिजली, पानी आदि की व्यवस्था का सर्वेक्षण

दिसंबर	8. ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका	विभिन्न प्रकार की आजीविका के बारे में जान सकेंगे	प्रदर्शन विधि (बाजार ले जाकर भिन्न-भिन्न आजीविका के साधनों के बारे में बताया जाएगा)	- कलपडू गांव का वीडियो दिखाया - सीढ़ीनुमा खेती का वीडियो दिखाया	ग्रामीण क्षेत्र को जानने की रुचि	लिखित परीक्षा द्वारा मूल्यांकन	छात्राएँ जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित होंगी	छात्राएँ विविध आजीविका को समझ कर आगामी जीवन के व्यवसाय पर विचार कर पाएँगी
जनवरी	9. शहरी क्षेत्र में आजीविका	- शहरों में होने वाली आजीविका का ज्ञान देना - फैक्ट्री, ऑफिस में रोजगार का ज्ञान	व्याख्यान विधि	स्थानीय फैक्ट्री आदि में ले जाया जाएगा	अखबार पढ़कर भिन्न-भिन्न आजीविका का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएँगी	मौखिक परीक्षा द्वारा मूल्यांकन	सर्वोत्तम सूचना को विद्यालय के सूचना पट्ट पर लगाना	छात्राओं ने शहरी क्षेत्र की आजीविका के समस्याओं को जानेंगी तथा उन्हें दूर करने के उपाय समझेंगी


 Dr. Sushma Jain
 Principal
 Prncipal
 Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
 Tilwaraghat, Jabalpur-482001